● वर्ष-2
● अंक-179
रायपुर, रविवार 19 मार्च 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmailÐcom

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

# समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार


**अवकाश सूचना**

समाचार पचीसा के कार्यालय में 19 मार्च रविवार अवकाश रहेगा। समाचार पचीसा का अगला अंक 21 मार्च मंगलवार को प्रकाशित होगा।

## बेमौसम बारिश से फसलों को नुकसान, 20 मार्च तक आरेंज, येलो अलर्ट जारी

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में पिछले कुछ दिनों से मौसम का बदलाव जारी है. पूर्व से आ रही नमी युक्त हवा से मौसम का मिजाज बदला कुछ है. अचनाक मौसम बदलने से कई जगहों पर बारिश हो रही है. जिसके चलते किसानों की फसलों को काफी नुकसान हो रही है. वहीं आज भी मौसम विभाग ने कई स्थानों पर बारिश, वज्रपात, अंधड़ और ओलावृष्टि की संभावना जताई है. असमय अचानक बदले मौसम से किसानों की माथे पर चिंता की लकीर छाई है. वहीं कई जगहों पर बीती रात हुई जमकर बारिश और ओलावृष्टि के चलते भारी नुकसान हुआ है.

प्रदेश के कई जिलों में जारी येलो अलर्ट के बीच पिछले तीन-चार दिनों से मौसम के बदले मिजाज ने जहां एक और चिलचिलाती गर्मी और धूप से राहत दिलाई है तो वहीं फसलों के लिए आफत की साबित हो रही है सब्जी की खेती के साथ-साथ महुआ के संग्रह को को इससे काफी नुकसान हो रहा है. मौसम विभाग ऐसा मौसम अगले 20 तारीख तक बने रहने का अनुमान लगा रहे हैं. मौसम विभाग में 17 मार्च से 20 मार्च तक की वार्निंग जारी की थी जिसमें ऑरेंज और येलो अलर्ट भी जारी किया गया था. वहीं 8 जिले में येलो अलर्ट जारी किया गया है कल एक दिन में ही 33 मिलीमीटर बारिश मौसम विभाग ने दर्ज की है.

**बस्तर में बदला मौसम** - मौसम में हुए बदलाव का असर बस्तर जिले में बीते 3 दिनों से देखा जा रहा है. बुधवार को ग्रामीण इलाकों में बूंदाबांदी हुई, वहीं गुरुवार को शहर में 1 घंटे तक जमकर बारिश देखी गई. दरभा में ओले गिरने की भी जानकारी सामने आई है. शुक्रवार को यहां दिन भर आसमान में बादल छाए रहे. शनिवार को धूप निकली, हालांकि यहां अब भी बारिश के हालात बने हुए है।

## प्रदेश सरकार बताए, बाघों पर 183 करोड़ से ज्यादा रकम कहां खर्च की गई - भाजपा

### पूर्व वन मंत्री गागड़ा ने पूछा क्या अब अन्य प्राणियों की राशि में भ्रष्टाचार की नई इबारत लिखी जा रही है?

**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व वन मंत्री महेश गागड़ा ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया है कि प्रदेश सरकार ने पिछले 2019 से 2022 (तीन वर्षों) में राज्य भर के कुल 19 बाघों पर 183.77 करोड़ खर्च कर दिए जबकि विशेषज्ञों व वन्यजीव संरक्षण के अभियान के लिए काम करने वालों का मानना है कि रिजर्व फॉरेस्ट के बाघों के खान-पान पर कोई खर्च ही नहीं किया जाता। पूर्व वन मंत्री एवं भाजपा नेता श्री गागड़ा ने कहा कि प्रदेश सरकार क्या अब वन्य प्राणियों के लिए तयशुदा बजट राशि में भी भ्रष्टाचार का कोई नया अध्याय लिख रही है? श्री गागड़ा ने कहा कि 2019 से 2022 के वर्षों में खर्च की गई इतनी बड़ी रकम के बारे में प्रदेश सरकार स्थिति स्पष्ट करे। हर क्षेत्र में कमीशनखोरी, भ्रष्टाचार और घोटाले करके छत्तीसगढ़ को कांग्रेस पार्टी का एटीएम बनाने वाली मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार नित नए घोटालों की इबारत लिख रही है और अब तो वन्य प्राणियों की बजट की राशि को लेकर सामने आए तथ्य इस सरकार के भ्रष्टतम राजनीतिक चरित्र की गवाही दे रहे है। श्री गागड़ा ने कहा कि रिजर्व फॉरेस्ट में पेट्रोलिंग को छोड़कर बाघों पर कोई खर्च नहीं होता और न ही वहां कोई बड़ा निर्माण कार्य हो सकता है। यह जंगल है और बाघों को वहां नितांत प्राकृतिक वातावरण में रखना होता है, तब यह रकम कहां खर्च की गई? भाजपा नेता व पूर्व मंत्री श्री गागड़ा ने कहा कि प्रदेश सरकार वन्य जीव संरक्षण और संवर्धन के नाम पर भी कोरी लफ्फाजी कर रही है। इस सरकार में न केवल वन्य प्राणियों की मौत, शिकार और तस्करी के मामले बढ़े हैं, अपितु जंगली इलाकों में बसे गांव में वन्य प्राणियों के मामलों में ग्रामीणों को



अपनी जान गंवानी पड़ रही है। श्री गागड़ा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पिछले 4 साल में जंगली हाथियों के हमले में 204 लोगों की मौत हुई। इसी तरह 45 हाथी भी सुरक्षा की बदइंतजामी के चलते मारे गए। वन्य प्राणियों के शिकार और उनकी तस्करी के मामलों में बेहद इजाफा होना प्रदेश की कांग्रेस सरकार के नाकारापन की ताकीद कर रहे हैं। श्री गागड़ा ने कहा कि हाथियों के खान-पान के लिए, हाथियों को धान खिलाने की शेखी बघारती प्रदेश सरकार हाथ बांधे बैठी नजर आ रही है। हाथियों को आबादी इलाकों में आने-जाने से रोकने के लिए रिजर्व लेमरू प्रोजेक्ट का भी अब तक कोई अता-पता नहीं है। कुल मिलाकर प्रदेश सरकार ने अपने कुकर्मों और भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने के लिए शिगूफे छोड़ने के अलावा कोई ठोस काम नहीं किया है।

## अमृतपाल की गिरफ्तारी के लिए अभियान जारी, अब तक 78 लोगों को गिरफ्तार किया

**चंडीगढ़।** खालिस्तान समर्थक और कट्टरपंथी अमृतपाल सिंह पर शिकंजा कसने के लिए पंजाब पुलिस लगातार तलाशी अभियान चला रही है। हालांकि इससे पहले खबरें आईं थी कि अमृतपाल को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने इस मामले में 78 लोगों को हिरासत में लिया है। पंजाब पुलिस ने अमृतपाल सिंह के खिलाफ हेट स्पीच समेत कई अन्य मामलों में केस दर्ज कर रखा है।

इस बीच, पूरे पंजाब में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। माहौल बिगड़ने की आशंका के मद्देनजर पंजाब में रविवार दोपहर तक मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। अमृतसर, फाजिल्का, मोगा और मुक्तसर समेत कई जिलों में धारा 144 लागू करने के साथ ही भारी सुरक्षा बल तैनात कर दिए गए हैं।

## भाजपा ने तेज की 24 की तैयारी, हरियाणा में 3100 कार्यकर्ताओं को ट्रेनिंग देंगे खट्टर और नड्डा

**नई दिल्ली।** अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अभी से बूथ स्तर की तैयारी शुरू कर दी है। हरियाणा के छह संसदीय सीटों और 14 जिलों से जुड़े 2715 शक्ति केंद्र प्रमुख (बूथ स्तर के कार्यकर्ता) सहित लगभग 3100 भाजपा कार्यकर्ता रविवार को पानीपत के समालखा में %शक्ति केंद्र संगम% में भाग लेंगे। %शक्ति केंद्र संगम% एक दिवसीय वर्कशॉप है। पांच घंटे की इस वर्कशॉप में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर समेत पार्टी के कई नेता शामिल होंगे और वे जमीनी स्तर के पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। हरियाणा भाजपा अध्यक्ष ओपी धनखड़ ने पानीपत जिले के पट्टी कलायाना गांव में आरएसएस की सेवा साधना एवं ग्राम विकास केंद्र का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

## चुनावी साल में अशोक गहलोत ने खेला बड़ा दांव

**नई दिल्ली।** राजस्थान में साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। लेकिन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान में 19 नए जिलों का ऐलान कर दिया। इन जिलों की मांग काफी पहले से चल रही थी। चुनावी साल को ध्यान में रखते हुए ही अशोक गहलोत ने 19 नए जिलों के निर्माण को मंजूरी दे दी। इसके साथ ही टीम ने संभाग भी बनाए गए हैं। गहलोत की सूचना ने राजस्थान के सियासी पारा को बढ़ा दिया है। माना जा रहा है कि गहलोत के इस ऐलान से उन मतदाताओं पर सीधा प्रभाव पड़ेगा जो इस जिले से संबंध रखते हैं। यहां कांग्रेस के पक्ष में माहौल बन सकता है क्योंकि इन जिलों के गठन के लिए कांग्रेस सरकार ने ही मंजूरी दी है। गहलोत के इस ऐलान से इन



क्षेत्रों से आने वाले कांग्रेस विधायकों में जबरदस्त खुशी है। हालांकि भाजपा गहलोत पर सवाल खड़े कर रही हैं। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने ट्वीट कर लिखा कि कांग्रेस सरकार की नई घोषणाएं अपने व्यक्तिगत राजनैतिक स्वार्थों की पूर्ति करने का प्रयास भर है। इस कोशिश में उन्होंने राजस्थान के पूरे आर्थिक तंत्र को दांव पर लगा दिया है। जिसका खामियाजा आने वाले वर्षों में प्रदेश और प्रदेश की जनता को भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि नये ज़िले बनाए जाने की प्रक्रिया में कई महत्वपूर्ण तथ्यों को नज़रअंदाज़ कर दिया गया है। जिस कारण नये ज़िले बनने से होने वाली सुगमता के बजाय जनता को प्रशासनिक जटिलताओं का सामना करना पड़ेगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा कि कांग्रेस सरकार को जनमत के दबाव में यह फैसला लेना पड़ा। पूनिया ने कहा, झूठी घोषणाओं से राज्य के लोग गुमराह नहीं होंगे क्योंकि राज्य का हर वर्ग महिलाओं के खिलाफ अत्याचार, पेपर लीक, बिगड़ती कानून व्यवस्था और किसानों की पूरी कर्जमाफी जैसे विभिन्न मुद्दों से परेशान है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि नए जिलों के गठन से विकास और विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा,''सीकर में संभाग के गठन से शेखावाटी क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी और आम आदमी को सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।''उन्होंने कहा कि इससे कानून व्यवस्था भी मजबूत होगी। हालांकि, राजस्थान में अशोक गहलोत के हिसाब से पूरा सियासी खेल बदल सकता है। इसे गहलोत के मास्टर स्ट्रोक के तौर पर भी देखा जा रहा है। राजस्थान में कुल 50 जिले हो गए हैं। इसके साथ ही 10 संभाग भी होंगे। इसको लेकर गहलोत ने ट्वीट किया कि बढ़ती जनसंख्या एवं बड़े क्षेत्रफल की वजह से सरकार व आमजन को नए जिलों की आवश्यकता महसूस हो रही थी।

**प्रमुख समाचार**

### संसद को चलने से रोक रही बीजेपी- अशोक गहलोत

**नई दिल्ली।** लोकतंत्र को लेकर लंदन में राहुल गांधी द्वारा दिए गय बयान पर बवाल जारी है। भाजपा इसको लेकर राहुल गांधी पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। सड़क से संसद तक यह मुद्दा गर्म है। संसद में इस मुद्दे पर भाजपा राहुल से माफी की मांग कर रही है। हालांकि, कांग्रेस की ओर से इससे इनकार किया जा रहा है। इन सब के बीच वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसको लेकर बड़ा बयान दिया है। गहलोत ने कहा कि बीजेपी पहली पार्टी है जो संसद को चलने से रोक रही है। उन्होंने सवाल किया कि आखिर राहुल गांधी को किस बात के लिए माफी मांगनी चाहिए? पीएम मोदी ने जर्मनी और कोरिया में भारत के खिलाफ कई बातें कही हैं। किससे माफी मांगनी चाहिए? पूरी दुनिया देख रही है। अशोक गहलोत ने कहा कि संसद शुरू होनी चाहिए, और चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र है और आपने लोकसभा में माइक्रोफोन बंद कर दिया? आज जिस तरह से देश तानाशाही का सामना कर रहा है, हर जगह स्थिति बहुत गंभीर है। गहलोत ने साफ तौर पर कहा कि वो माफी किस बात की मांगे?



### जब उन्होंने गलती नहीं की तो माफी क्यों मांगेगे?- शत्रुघ्न सिन्हा

**नई दिल्ली।** संसद में जारी हंगामे के बीच तृणमूल कांग्रेस के सांसद और वरिष्ठ फिल्म अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा का बयान सामने आया है। शत्रुघ्न सिन्हा राहुल गांधी का पक्ष लेते नजर आ रहे हैं। दरअसल, भाजपा राहुल गांधी के लोकतंत्र को लेकर दिए गए बयान पर उनसे माफी की मांग कर रही है। इसको लेकर संसद में भी जबरदस्त हंगामा है। हालांकि, शत्रुघ्न सिन्हा इसके लिए भाजपा को ही जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि जब राहुल गांधी ने कोई गलती नहीं की है तो माफी क्यों मांगेंगे? संसद में हंगामे को लेकर उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में पहली बार हो रहा है, जब सत्तारूढ़ दल ने व्यवधान पैदा किया है। तृणमूल सांसद ने कहा कि अरुण जेटली, सुषमा स्वराज जैसे नेता संसद में कह चुके हैं कि संसद चलाना सरकार का काम है तो यहां भी सरकार को काम करना चाहिए। शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने खुद बहुत सी बातें बाहर विदेश में कहीं हैं, उन बातों से बहुत लोगों को अपमानित महसूस हुआ है।



### भारत-बांग्लादेश संबंधों में नए अध्याय की हुई शुरूआत- मोदी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भारत-बांग्लादेश मैत्री पाइपलाइन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज भारत और बांग्लादेश के बीच संबंधों के एक नए संस्करण की शुरुआत हुई है। भारत-बांग्लादेश मैत्री पाइपलाइन सितंबर 2018 में शुरू की गई थी। इस पाइपलाइन से उत्तरी बांग्लादेश के विभिन्न जिलों को एक मिलियन मीट्रिक टन हाई स्पीट डिजल की आपूर्ति की जा सकेगी। पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री शेख हसीना के कुशल नेतृत्व में बांग्लादेश ने बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रत्येक भारतीय को इस पर गर्व है और हम बांग्लादेश के विकास में योगदान देकर खुश हैं। मोदी ने कहा कि आज की वैश्विक स्थिति में कई विकासशील अर्थव्यवस्थाएं अपनी खाद्य और ऊर्जा सुनिश्चित करने के लिए जूझ रही है। इस संदर्भ में आज के इस आयोजन का महत्व और भी अधिक है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि यह पाइपलाइन बांग्लादेश के विकास को और गति देगी, और दोनों देशों के बीच बढ़ती कनेसिटिविटी का भी उत्कृष्ट उदाहरण रहेगी।

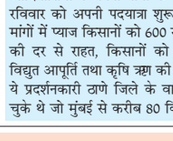

### महाराष्ट्र में किसानों ने वापस ली अपनी पदयात्रा, मांगों पर विचार होने पर किया फैसला

**मुंबई।** पैदल ही मुंबई की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारी किसानों एवं आदिवासियों ने शनिवार को अपनी पदयात्रा वापस ले ली। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के विधायक विनोद निकाले ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसानों की सभी मांगों पर राज्य विधायिका में विचार किया गया तथा जमीनी स्तर के अधिकारियों को सरकारी आदेशों के क्रियान्वयन का आदेश मिल गया है। उन्होंने कहा, '' इसलिए हम अपनी पदयात्रा वापस ले रहे हैं।'' नासिक जिले के डिंडोरी से हजारों किसानों एवं आदिवासियों ने अपनी मांगों के समर्थन में पिछले रविवार को अपनी पदयात्रा शुरू की थी। उनकी मांगों में प्याज किसानों को 600 रुपये प्रति क्विंटल की दर से राहत, किसानों को 12 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा कृषि ऋण की माफीशामिल हैं। ये प्रदर्शनकारी ठाणे जिले के वासिंड शहर पहुंच चुके थे जो मुंबई से करीब 80 किलोमीटर दूर है।



### बच्चों का यौन शोषण करने के आरोपी तमिलनाडु का पीएचडी छात्र गिरफ्तार: सीबीआई

**नयी दिल्ली।** केंद्रीय अन्वेषण एजेंसी ने बच्चों से कथित तौर पर दुष्कर्म करने के मामले में तमिलनाडु के तंजावुर से एक 35 वर्षीय पीएचडी छात्र को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि एजेंसी ने कथित रूप से इलेक्ट्रॉनिक तौर पर बाल यौन शोषण सामग्री तैयार करने और प्रसारित करने पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया था। उन्होंने कहा कि सीबीआई को इंटरपोल डेटाबेस से बाल यौन शोषण की तस्वीरें और वीडियो मिले थे। डिजिटल फोरेंसिक उपकरणों का उपयोग करके विश्लेषण करने पर पता चला कि यह घटना तंजावुर जिले की है। अधिकारियों ने कहा कि एजेंसी ने आरोपी के कई परिसर में तलाशी ली, जिसमें आपत्तिजनक इलेक्ट्रॉनिक गैजेट बरामद हुए। आरोपी पर आरोप था कि वह पिछले चार साल से एक बच्चे का यौन शोषण कर रहा था, जिसके नग्न वीडियो और तस्वीरें उसके गूगल अकाउंट पर अपलोड की गई थीं। यह आरोप लगाया गया था कि आरोपी ने दो नाबालिगों को यौन कार्यके लिए मजबूर किया था। अधिकारियों ने आरोप लगाया कि इसके बाद आरोपी ने उनकी तस्वीरें खींचने के साथ वीडियो बना लिया और इन्हें इंटरनेट पर प्रसारित करने की धमकी देकर उन्हें और लड़कियों को लाने के लिए मजबूर किया।

## भारत जोड़ो यात्रा से राहुल गांधी ने जो कुछ कमाया था उसे लंदन में गंवा दिया

**अजय कुमार**

कांग्रेस की कमान एक गैर गांधी नेता के हाथों में जाने के बाद भी ऐसा लगता नहीं है कि कांग्रेस के भीतर कुछ बदला है। आज भी कांग्रेस की सियासत गांधी परिवार के ही इर्दगिर्द घूम रही है। राहुल गांधी ही कांग्रेस का फेस बने हुए हैं। वहीं कांग्रेस के नये अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, गांधी परिवार के यस मैन से अधिक नजर नहीं आ रहे हैं। यदि यह कहा जाए कि गांधी परिवार ने पार्टी पर अपना वर्चस्व बनाये रखने और कांग्रेस की असफलता का ठीकरा खड़गे पर फोड़ने के लिए उनके (खड़गे) कंधों का सहारा लिया है तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी।

उधर, खड़गे और उनकी 'टीम' का अधिकांश समय गांधी परिवार उसमें भी राहुल गांधी के बचाव में गुजर जाता है। यह वह नेता हैं जो अपनी सियासत को बचाए रखने के लिए कांग्रेस को गर्त में झोंक देने से भी परहेज नहीं करते हैं। वहीं राहुल गांधी एक के बाद एक विवाद पैदा करते जाते हैं। उनकी बचकानी हरकतें थमने का नाम ही नहीं लेती हैं। यही वजह है राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से जो कुछ 'कमाया' था उसे उन्होंने ब्रिटेन में विवादित बयान देकर गंवा दिया। बयान भी ऐसा वैसा नहीं। वह बाहरी ताकतों से हिन्दुस्तान के लोकतंत्र को बचाने की फरियाद कर रहे हैं। देश की संवैधानिक संस्थाओं पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करना, उद्योगपतियों का अपमान करना, संसद और स्पीकर की विश्वसनीयता पर संदेह पैदा करना, देश के महापुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों को बार-बार अपमानित करना, विरोधियों को अनाप-शनाप तरीके से आरोपी बनाना, चीन जो हमेशा भारत को आंखें दिखाता है उसका महिमामंडन करना राहुल गांधी का शगल बन गया है।

राहुल गांधी लोकसभा तक को अपनी सियासत का अखाड़ा बनाने से नहीं चूकते हैं, एक तो राहुल गांधी लोकसभा में आते ही बहुत कम हैं और आते भी हैं तो वह लोकसभा के भीतर गुरिल्ला शैली में इंट्री करते हैं और अपनी बात कहकर नौ-दो ग्यारह हो जाते हैं। वह यहां तक आरोप लगाते हैं कि लोकसभा में उन्हें बोलने नहीं दिया जाता है, जबकि सच्चाई यह है कि राहुल गांधी किसी भी विषय पर पांच-दस मिनट गंभीरता से बोलने की कूवत ही नहीं रखते हैं। इसीलिए वह अपनी भड़ास देश के बाहर जाकर निकालते हैं। अब तो कांग्रेस में यह चलन बन गया है कि जब भी लोकसभा का सत्र शुरू होता है, किसी न किसी मुद्दे पर हंगामा खड़ा करके संसद नहीं चलने देते हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव के समय राहुल गांधी राफेल फाइटर विमान खरीद में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए मोदी के खिलाफ चौकीदार चौर है का नारा दे रहे थे तो 2024 के चुनाव आते-आते इसे उद्योगपति अडानी और मोदी से जोड़ कर मोदी को चोर बता रहे हैं। मर्यादा तो तब तार-तार हो गई, जब राहुल गांधी ने ब्रिटेन दौरे पर वही पुराना बेसुरा राग छेड़ा कि भारत में लोकतंत्र खत्म हो रहा है। उन्होंने पश्चिमी देशों से भारत में लोकतंत्र की कथित बहाली को लेकर हस्तक्षेप करने तक का अनुरोध कर दिया। वह यह भूल गए कि जिस ब्रिटेन में वह भारत की बदनामी कर रहे थे उसी ब्रिटेन ने आजादी से पहले भारतवासियों के साथ जानवरों से भी बुरा सलूक किया था। स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर को दस वर्ष से अधिक तक काल कठोरी में रखा गया, उन्हें कोल्हू में बैल की जगह जोता जाता था। क्रांतिकारी चन्द्रशेखर आजाद, भगत सिंह, राज मंगल पाण्डेय जैसे तमाम आजादी के मतवालों को मौत के घाट उतार दिया गया। उसी ब्रिटेन और अन्य विदेशी ताकतों से राहुल गांधी हिन्दुस्तान के लोकतंत्र को बचाने की नौटंकी कर रहे हैं जो पूरी तरह से भारत के आंतरिक मामलों में दखल दें।

बकौल राहुल गांधी, 'भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, यहां लोकतंत्र पर आघात का असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा।' कितनी हैरानी की बात है कि जिस पार्टी ने भारत की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया, उसी पार्टी का एक नेता ब्रिटेन, अमेरिका और अन्य यूरोप देशों से भारत के अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप का अनुरोध कर रहे हैं। बड़ी विडंबना यह है कि यह सब स्वतंत्रता के अमृतकाल में हो रहा है और यह सब वह शख्स कर रहा है जो कांग्रेस की मनमोहन सरकार के समय संसद से पास बिल को फाड़ देता है। पाकिस्तान द्वारा भारत के खिलाफ चलाये जा रहे आतंकवाद और उसके आतंकवादियों के द्वारा किए गए बम धमाकों से हुई हमारे जवानों की मौतों को इसके द्वारा बम धमाके में हुई मौत बताया जाता है। हिन्दुस्तानी सेना जब पाकिस्तान के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक करती है तो राहुल और उनके करीबियों द्वारा इसके सबूत मांगे जाते हैं। कांग्रेस के ही एक पीएम कहते हैं देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। स्वयं घोटाले के आरोप में बेल पर बाहर घूम रहे राहुल गांधी को चीन की विस्तारवादी नीति काफी रास आती है। वह चीन की कम्युनिस्ट सरकार की शान में कसीदे पढ़ते हैं। उसके नेताओं से चुपके-चुपके मिलते हैं। इस बात पर किसी को एतराज नहीं है कि राहुल गांधी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बड़े आलोचक बन गए हैं, लेकिन जब सह संघ और मोदी की आड़ में देश से खिलाफत करेंगे तो उनसे सवाल तो पूछा ही जाएगा और माफी मांगने को भी कहा जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति उनकी घृणा उनके भाषणों में सामान्य रूप से ध्वनित होती है। इसमें अक्सर वह ऐसा कह जाते हैं, जिसका सच से कोसों नाता नहीं होता।

# बोट में मोटर पंप लगाकर अवैध तरीके से हो रहा था रेत खनन, प्रशासन ने की कार्रवाई

**दुर्ग।** पाटन ब्लाक में ग्राम सिपकोना में खारुन नदी के किनारे बोट में मोटर पंप लगाकर अवैध तरीके से रेत का खनन किया जा रहा था। इस बात की सूचना प्रशासन को मिलते ही त्वरित कार्रवाई की गई। कलेक्टर श्री पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने इस संबंध में त्वरित कार्रवाई के निर्देश अनुविभागीय अधिकारी को दिए। इसके पश्चात मौके पर पहुंचकर राजस्व विभाग एवं पुलिस की टीम ने बोट जब्त की और 700 घन मीटर रेत भी जब्त की। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसडीएम श्री विपुल गुप्ता ने बताया कि कलेक्टर श्री मीणा के निर्देश पर लगातार अवैध खनन की मॉनिटरिंग की जा रही है। आज सिपकोना से आई सूचना मिलते ही तत्काल अवैध उत्खनन पर कार्रवाई की गई। इस संबंध में सूचना मिली थी कि मोटर बोट में पंप लगाकर अवैध खनन किया जा रहा है। टीम ने मौके पर पहुंचकर बोट जब्त की। साथ ही स्थल से 700 घनमीटर रेत भी जब्त की। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार श्री प्रकाश सोनी एवं अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। एसडीएम ने बताया कि रेत के अवैध खनन पर प्रशासन द्वारा निरंतर कार्रवाई जारी है। इस संबंध में सूचना मिलते ही प्रशासनिक टीम द्वारा कार्रवाई की जा रही है।

## आगजनी से पीड़ित 25 परिवारों को मिला मुआवजा राशि

**भिलाई नगर।** हॉस्पिटल सेक्टर में आगजनी की घटना होने के बाद से प्रशासन ने हर संभव मदद प्रभावित परिवारों के लिए किया है। विधायक देवेंद्र यादव, महापौर नीरज पाल, कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा एवं निगम आयुक्त रोहित व्यास, एमआईसी मेंबर सीजू एंथोनी, स्थानीय पार्षद कोमल टंडन ने प्रभावित परिवारों के मदद लिए स्पॉट पर जाकर निरीक्षण किया था। आगजनी के बाद से ही परिवारों को राहत देने का कार्य किया गया। नजदीकी स्कूलों में परिवारों को ठहराकर उनकी मदद की गई, भोजन व्यवस्था सहित जरूरी सामग्रियों के इंतजाम किए गए। दस्तावेजों को बनाने के लिए शिविर के लगाए गए तथा दस्तावेज तैयार करने की प्रक्रिया की गई। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना में आवास दिलाने के लिए भी कैंप का आयोजन किया गया। पीड़ित परिवार का सर्वे किया गया था, सर्वे उपरांत 25 परिवार निवासरत पाए गए थे। संयुक्त निरीक्षण के दौरान मुआवजा राशि देने के निर्देश दिए गए थे। इसी के तहत प्रत्येक परिवार को 10500 रुपए की राशि प्रदान की गई है। इसके मुताबिक 25 परिवारों को 262500 की राशि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन के तहत दी गई है। मुआवजा राशि देने के दौरान जोन आयुक्त खिरोद्र भोई तथा अतिरिक्त तहसीलदार क्षमा यदु भी मौजूद थे। मुआवजा राशि प्राप्त कर पीड़ितों ने राहत की सांस ली है और उन्होंने इसके लिए विधायक, महापौर, जनप्रतिनिधि तथा प्रशासन को धन्यवाद भी ज्ञापित किया है।

# भाजपा ने शक्ति केंद्रों में राष्ट्रपति के अभिभाषण का वाचन किया

**जगदलपुर।** भारतीय जनता पार्टी बस्तर जिला की ओर से 11 मंडल के सभी शक्ति केंद्रों पर शनिवार को कार्यक्रम आयोजित कर राष्ट्रपति का अभिभाषण वाचन कर सुनाया गया। अमृत काल के बजट को लेकर महामहिम का अभिभाषण वरिष्ठ पदाधिकारियों ने वाचन कर लोगों को सुनाया। कार्यक्रमों में शक्ति केंद्र संयोजक, शक्ति केंद्र प्रभारी, बूथ अध्यक्ष सहित बूथ के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। भगत सिंह शक्ति केन्द्र में मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेश महामंत्री किरण देव ने राष्ट्रपति के अभिभाषण को सभी के समक्ष वाचन कर सुनाया एवं बैठक में बूथ सशक्तिकरण एवं महामहिम राष्ट्रपति के अभिभाषण को लेकर चर्चा किया।

किरण देव ने सभी बूथों को सशक्त करने के लिए अभियान चलाने की अपील करते हुए कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह से कमर कस चुकी है तथा बूथ इकाई को मजबूत करने में पूरी तरह से जुटी हुई है केंद्र की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों एवं योजनाओं के कारण उनके जीवन में आए व्यापक परिवर्तन की विस्तृत चर्चा सकारात्मक माहौल प्रदान करेगी। लोगों को विश्वास होगा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नेतृत्व वाली सरकार एक भारत श्रेष्ठ भारत की जिस बुनियाद को खड़ी कर रही है वह जल्द सशक्त स्वरूप में दिखेगा।

राष्ट्रपति अभिभाषण वाचन कार्यक्रम के संयोजक विपिन मालवीय, नरेंद्र पाणिग्राही जगदलपुर मंडल अध्यक्ष सुरेश गुप्ता, महामंत्री आर्यन सिंह आर्य, शक्ति केंद्र के संयोजक ने भी राष्ट्रपति के अभिभाषण का वाचन किया।

शक्ति केंद्र के विस्तारक नरेंद्र पाणिग्राही ने बूथ सशक्तिकरण अभियान का प्रारंभ करते हुए कहा कि सभी बूथों को सशक्त करने के लिए बूथ सशक्तिकरण अभियान चलाया जा रहा है। बूथ इकाई को मजबूत करने 10 दिनों की कार्य योजना तैयार कर प्रत्येक बूथ को मजबूत करने का कार्य किया जाएगा।

इस दौरान भगत सिंह शक्ति केंद्र के संयोजक उमेश वानखेडे, पार्षद दयावती देवांगन, पार्षद रीना घोष, मीना साह, करण साहू, राकेश बिस्नोई, प्रज्ञा साहू, लता पटेल, प्रमिला तिवारी,गोदावरी ठाकुर, मीना साहू, ज्ञान कौर, कुमारी सूर्यवंशी,सुनीता पांडे, कुमारी भूआर्य, पार्वती नेताम, हेमंत तिवारी, राकेश बिसोइ, करण शंकर जैन सहित बड़ी संख्या में शक्ति केंद्र के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# बरसात से पूर्व ड्रेनेज सिस्टम दुरूस्त हो: महापौर

## राजकिशोर प्रसाद ने वार्ड क्रमांक 28 आरपी नगर का किया भ्रमण

**कोरबा।** महापौर राजकिशोर प्रसाद ने अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए कहा है कि वर्षा से पूर्व आवासीय कालोनियों के डेऊनेज सिस्टम दुरूस्त किए जाएं तथा आवश्यकतानुसार मरम्मत व सुधार कार्य कराए जाएं ताकि बरसात के समय नालियों में जाम की स्थिति न बने तथा बरसाती पानी का प्रवाह सुगमतापूर्वक हो सके। उन्होने नाला-नालियों को कव्हर करने तथा सफाई पर विशेष ध्यान दिए जाने के निर्देश भी दिए।

महापौर श्री प्रसाद ने अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के साथ वार्ड क्र. 28 राजेन्द्र प्रसाद नगर का सघन रूप से भ्रमण किया, उन्होने पैदल भ्रमण करते हुए कालोनी साफ-सफाई व्यवस्था व सड़क, नाली आदि की स्थितियों का सघन रूप से जायजा लिया। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अभी ग्रीष्म ऋतु चल रही है, बरसात आने में अभी लगभग तीन माह का समय शेष है, अत: कालोनियों के आवश्यकतानुसार डेऊनेज सिस्टम सुधार के कार्य कराए जाएं ताकि बरसात के समय बरसाती पानी की निकासी सुगम रूप से हो सके, कहीं पर जाम की स्थिति न बने एवं नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का

सामना न करना पड़े, उन्होने नाले-नालियों को कव्हर करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। महापौर श्री प्रसाद ने उपस्थित नागरिकों को बताया कि राजस्व मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल के विशेष निर्देश पर शहर की सड़कों का सुधार कार्य कराया जा रहा है, सभी आवासीय कालोनियों की आंतरिक सड़कें सुधारी जा रही है, जिनमें अधिकांश का कार्य पूरा भी किया जा चुका है, शेष सड़कों का कार्य भी जल्द पूरा होगा।

वार्डवासियों की समस्याओं पर चर्चा - इस मौके पर महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद ने वार्ड का पैदल भ्रमण करते हुए वहाँ के निवासियों से उनकी समस्याओं व विकास संबंधी आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा की एवं समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होने मरम्मत व निर्माण संबंधी कार्यों हेतु प्राक्कलन तैयार करने तथा इस त्वरित कार्यवाही किए जाने हेतु भी निर्देशित किया।

स्वच्छता कार्यों पर विशेष फोकस - महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद ने वार्ड में निगम द्वारा कराए जा रहे साफ-सफाई कार्यों का सघन रूप से निरीक्षण किया, कार्य में संलग्न सफाई कर्मियों से भी चर्चा की तथा बेहतर सफाई कार्यों हेतु उनका मार्गदर्शन किया। महापौर श्री प्रसाद ने अधिकारियों से कहा कि साफ-सफाई कार्यों के दौरान एकत्रित कचरे का तुरंत उठाव स्थल से हो, यह अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें ताकि कचरा स्थल पर ज्यादा समय तक पड़ा न रहे।

इस मौके पर निगम के कार्यपालन अभियंता व जोन कमिश्नर आर.के. माहेश्वरी, सहायक अभियंता प्रकाश चन्द्रा, विनोद गोंड़, पूर्व पार्षद दीपनारायण सिंह, किरण सिंह, भोलू अग्रवाल, शाहिद खान, मुकेश विश्वकर्मा, उर्मिला विश्वकर्मा, व्ही.सी.सतपती, संजय गुप्ता, ए.उपाध्याय, पी.एस.सोख, पी.के. पाण्डेय, तापस पाल, रश्मि सिंह आदि उपस्थित थे।

# येलो अलर्ट के बीच पेंड्रा में महुआ को हुआ नुकसान

**गौरेला पेंड्रा मरवाही।** जिले में येलो अलर्ट के बीच पिछले तीन-चार दिनों से मौसम के बदले मिजाज ने जहां एक ओर चिलचिलाती गर्मी और धूप से राहत दिलाई है तो वहीं फसलों के लिए आफत की साबित हो रही है। सब्जी की खेती के साथ-साथ महुआ के संग्रह को इससे काफी नुकसान हो रहा है। मौसम विभाग अनुमान है कि 20 मार्च तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा।

पश्चिमी विक्षोभ की वजह से बदले मौसम के मिजाज के अलग-अलग प्रभाव देखने को मिल रहे हैं। एक तरफ जहां मार्च के महीने में पड़ रही चिलचिलाती धूप एवं गर्मी से निजात मिली है। तो वहीं लगातार चले तूफान ने सब्जी उत्पादकों को भारी नुकसान पहुंचाया है। गर्मी के मौसम में जहां तापमान 35 डिग्री पहुंच गया था। वहीं अब तेज हवाओं के साथ गरज एवं चमक के साथ हुई बारिश से तापमान में लगभग पांच डिग्री की गिरावट ला दी है।

न्यूनतम तापमान में भी तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग में 17 मार्च से 20 मार्च तक की वार्निंग जारी की थी। जिसमें ऑरेंज और येलो अलर्ट

भी जारी किया गया था। वहीं, 8 जिले में येलो अलर्ट जारी किया गया है कल एक दिन में ही 33 मिलीमीटर बारिश मौसम विभाग ने दर्ज की है। कल दोपहर बाद बदला मौसम देर रात तक जारी रहा दोपहर बाद से शुरू हुई बारिश देर रात तक रुक-रुक कर होती रही। इसके साथ ही इस दौरान लगातार तेज हवाओं के साथ गरज एवं चमक दिखाई दी।

बदले मौसम का असर महुआ संग्रह को पर बड़े पैमाने पर देखा जा रहा है। बारिश एवं तूफान की वजह से महुआ की फसल को खासा नुकसान हुआ है। किसान सुत्रा सिंह और साहस राम का कहना है कि लगभग 15 दिनों तक गिरने वाला महुआ की फसल अब बमुश्किल एक-दो दिन ही और गिरेगी। हालांकि ओले नहीं गिरने से सब्जियों को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है।

# दंतेवाड़ा में आयोजित रोजगार मेले में 430 युवाओं का हुआ चयन

**दंतेवाड़ा/जशपुर।** मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के माध्यम से अपने मनपंसद काम में प्रशिक्षण पाकर युवा अपना कैरियर बना रहे हैं। प्रदेश के 18 से 45 आयुवर्ग के युवक-युवतियां जो जिस टेकेड में रूचि रखते हैं, उन्हें

निःशुल्क प्रशिक्षण देने के साथ ही, उन्हें प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। इसके अलावा स्व-रोजगार के माध्यम से भी युवा अपने सपनों को पूरा कर रहे हैं। जशपुर जिले के पत्थलगांव विकासखंड में मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत 21 युवक-युवतियों को रोजगार मिला, तो वहीं दंतेवाड़ा जिले में लाइवलीहुड कॉलेज में आयोजित रोजगार मेले में 430 लोगों का प्रारंभिक तौर पर चयन किया गया है।

जशपुर जिले के पत्थलगांव विकासखंड में मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत् 08 माह की अवधि का सफलतापूर्वक फायर फाइटर कोर्स पूर्ण करने वाले 21 युवक-युवतियों को जी.फोर.एस. सिक्योरिटी कम्पनी में रोजगार के लिए चयन किया गया है। जहाँ उन्हें पीएफ, ई.एस.आई.सी. की सुविधा के साथ 13 हजार 500 रूपए प्रतिमाह वेतन भी दिया जाएगा। इसी तरह दंतेवाड़ा जिला प्रशासन के द्वारा बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने के उद्देश्य से विकासखंड गीदम अंतर्गत कारली में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। 755 विभिन्न पदों के लिए आयोजित इस रोजगार मेले में 1110 युवाओं ने भाग लिया। 15 कंपनियों ने मौके पर ही 430 युवाओं का प्रारंभिक तौर पर चयन कर लिया, बाकी की प्रक्रिया चल रही है।

**छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार**

## कलेक्टर से मिलने पहुंचे रेंगालपाली के ग्रामीण

**रायगढ़।** रेंगालपाली के ग्रामीण शनिवार को

कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा से मिलने पहुंचे। यहां उन्होंने कलेक्टर सिन्हा से मिलकर रेंगालपाली में केलो नहर का काम जल्द पूरा करवाने के लिए ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों का कहना है कि उनके गांव में नहर का काम लगभग 75 फीसदी पूरा हो चुका है। उन्होंने मांग रखी कि अगले खरीफ के पहले नहर का काम पूरा कर लिया जाए जिससे उन्हें सिंचाई के लिए पानी मिल सके। कलेक्टर सिन्हा ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि काम जल्द पूरा किया जाएगा। शनिवार दोपहर रेंगालपाली के सरपंच राकेश साहू के नेतृत्व में रेंगालपाली और आश्रित ग्राम बड़माल के ग्रामीण कलेक्टर सिन्हा से मिलने पहुंचे। यहां उन्होंने कलेक्टर सिन्हा के समक्ष अपने गांव में नहर निर्माण की वस्तुस्थिति को रखते हुए नहर बनाने का काम शीघ्र पूरा करने हेतु ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों का कहना था कि हमें सिंचाई के लिए पानी की आवश्यकता है।

## महिलाओं ने मानदेय बढ़ाने की रखी मांग, सौंपा ज्ञापन

**कोरबा।** छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के सभी एनआरएलएम कैडर के वेतनमान में बढ़ोत्तरी करने की मांग को लेकर शुक्रवार को कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। बड़ी संख्या में महिलाएं रैली के साथ पहुंची थी। योजना के तहत पीआरपी, एफएलसीआरटी, आरबीके, सीआरपी, बैंक मित्र, पशु सखी, कृषि सखी के पद पर काम कर रही है। उनका कहना है कि कम मानदेय मिलने से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पीआरपी को अभी 13 हजार रुपए मानदेय मिल रहा है, उसे 20 हजार किया जाए। कृषि मित्र, पशु सखी को मात्र 1500-1500 रुपए दिया जा रहा है, उसे बढ़ाया जाए। मांग पूरी नहीं होने पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

## मां-बेटे ने देहदान कर पेश की मानवता की अनूठी मिसाल

**भिलाई।** मरने के बाद जिंदा समाज की भलाई के लिए मां बेटे ने एक साथ देहदान की अनुकरणीय मिसाल प्रस्तुत की है। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के 1341 ईडब्ल्यूएस में रहने वाली डॉली रानी चटर्जी और उनके पुत्र अमिताभ चटर्जी ने सामाजिक संस्था प्रनाम के अध्यक्ष पवन केसवानी की काउंसलिंग के माध्यम से देहदान की वसीयत जारी की। शासकीय आयुर्वेदिक कॉलेज रायपुर के नाम देहदान की वसीयत जारी करते हुए उन्होंने बताया कि मरणोपरांत चिकित्सा अध्ययन के माध्यम से मानवता की भलाई के नेक उद्देश्य से उनके द्वारा देहदान किया गया है। देहदान हेतु काउंसलिंग के दौरान आस पड़ोस के अनेक लोगों ने देहदान के विषय में पवन केसवानी से अनेक प्रश्न पूछे और जानकारियां ली। देहदान के इस पुनीत कार्य में गुरप्रीत सिंह सप्पल,कमल दुबे और राकेश साहू की विशेष सहभागिता रही। मरणोपरांत पार्थिव काया छत्तीसगढ़ के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों को अध्ययन एवं अध्यापन हेतु उपलब्ध करवाई जा चुकी है। सामाजिक संस्था प्रनाम का हेल्पलाइन नंबर है 9479273500।

## नहरों के किनारे व्यवसाय की नहीं मिलेगी अनुमति

**कोरबा।** शहर के बीच से गुजरी हसदेव बायीं और दांयीं तट नहर के किनारे जमीन को लोग अब व्यवसायिक गतिविधियों के लिए मांग करने लगे हैं। इस पर हसदेव दर्री बराज जल प्रबंध संभाग के कार्यपालन अभियंता ने कहा है कि नहर की जमीन को व्यवसायिक उपयोग के लिए नहीं दिया जा सकता। नहर मरम्मत के लिए जमीन की जरूरत है। नहर के दोनों किनारे 20-20 फीट से अधिक जमीन अधिग्रहित की है। नहर मरम्मत के लिए मिट्टी की जरूरत पड़ती है। कुछ दिनों से लोग नर्सरी, बागवानी, खाद बनाने और सब्जी उगाने के लिए मांग कर रहे थे। कार्यपालन अभियंता को सूचना जारी करना पड़ा। रातोखार से लेकर इमलीडुग्गू के आसपास जमीन पर अतिक्रमण भी हो गया है। इस संबंध में अधिकारियों का कहना है कि अतिक्रमण करते पाए जाने पर बेदखली अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। यही नहीं डीडीएम रोड पर तो नहर के किनारे कई लोगों ने अतिक्रमण कर मकान और दुकान बना लिया है।

## दिव्यांगजनों का विशिष्ट पहचान पत्र बनाने शिविर

**रायगढ़।** कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के निर्देशन में आज ग्राम-लोईंग के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में दिव्यांगजनों के लिए विशिष्ट पहचान पत्र (यूडीआईडी)कार्ड बनाये जाने हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी अबिनाश मिश्रा उपस्थित थे। शिविर में कुल 286 दिव्यांगजन उपस्थित हुए। जिनमें से अस्थिबाधित के 74, मानसिक दिव्यांगता के 61, दृष्टिबाधित के 4 एवं सिकलसेल के 8 इस तरह कुल 147 दिव्यांगजनों का विशिष्ट पहचान पत्र यूडीआईडी बनाये जाने हेतु प्रमाणीकरण किया गया। मेडिकल टेस्ट हेतु 38 दिव्यांगजनों को रेफर किया गया। इसी तरह 83 दिव्यांगजनों को विशिष्ट पहचान पत्र वितरण किया गया। जिसमें 18 दिव्यांगजन विशिष्ट पहचान पत्र हेतु अपात्र पाये गये। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य संगीता गुप्ता, जनपद पंचायत सदस्य पदमिनी मेहर, सरपंच ग्राम पंचायत लोईंग सूरत पटेल, उप संचालक समाज कल्याण आलोक कुमार भवाल, जनपद सीईओ आदि उपस्थित रहे।

# गोंगपा जिलाध्यक्ष सहित 64 की जमानत खारिज

### ■ कोर्ट ने कहा- ऐसे अपराधों में सख्त रुख जरूरी

**कबीरधाम।** छत्तीसगढ़ के कबीरधाम में तीन मार्च को झंडा लगाने और पूजा को लेकर हुए बवाल के बाद पकड़े गए आरोपियों की जमानत याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। इसमें गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (गोंगपा) के जिला अध्यक्ष अधर्मी अनार्य जे लिंगो समेत 64 आरोपी शामिल हैं। कोर्ट ने कहा है कि ऐसे अपराधों में सख्त रुख अपनाना जरूरी है। इस बवाल में एसपी, एसएसपी और 20 जवान सहित 16 प्रदर्शनकारी भी घायल हुए थे। बताया जा रहा है कि पड़ोसी राज्य एमपी से भी प्रदर्शनकारी पहुंचे थे।

कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि घटना

में एसपी, एएसपी, एसडीओपी समेत अन्य पुलिस अधिकारियों को चोटें आई हैं। आरोपियों का अपराध गंभीर प्रकृति का है। प्रकरण में जांच की कार्रवाई जारी है। वर्तमान समय में इस प्रकार से अवैधानिक भीड़ एकत्र कर अपराध करने की प्रवृत्ति बढ़ी है। ऐसे अपराधों के विरूद्ध कड़ा रुख अपनाया जाना जरूरी है। आरोपियों को जमानत पर रिहा किया जाना उचित प्रतीत नहीं होता है।

### पुलिसकर्मी की हत्या करने का प्रयास भी किया

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ यह अभियोग पेश किया है कि उन्होंने सामान्य उद्देश्य से बलवा किया। लोक व्यवस्था बनाने के लिए मौजूद पुलिस अधिकारियों और कर्मियों के साथ मारपीट की। साथ ही हत्या करने का प्रयास भी किया है। वहीं मामले को लेकर वर्तमान में जांच जारी है। पुलिस ने अब तक करीब 40 से अधिक वाहन जब्त भी किए है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ 147, 148, 149, 353, 333, 332, 307 व धारा 3 लोक सम्पत्ति का नुकसान अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

### आदिवासी पूजा स्थल पर वर्वस्व का प्रयास

भोरमदेव अंतर्गत गौरी चौरा स्थल पर बूढ़ा देव की पूजा ग्राम के आदिवासी समाज द्वारा की जाती है। इसी पूजा स्थल पर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी जिला अध्यक्ष जे लिंगों द्वारा अपना एकाधिकार स्थापित करने के उद्देश्य से अपने आराध्य बड़ादेव का झंडा भी लगा दिया गया था। धार्मिक स्थल पर झंडा लगाने व पूजा अर्चना करने को लेकर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के कार्यकर्ताओं ने घेराव किया। इस दौरान पुलिस व पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। इसमें बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

# बीएसपी के एसएलआरएम सेंटर में लगी आग

### ■ लाखों टन प्लास्टिक दाना जलकर खाक दमकल की छह गाड़ियों ने पाया काबू

**भिलाई।** भिलाई स्टील प्लांट के नेवई स्थित एसएलआरएम सेंटर में भीषण आग लग गई। आग लगने का कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। भिलाई इस्पात संयंत्र के टाउनशिप से निकलने वाले कचरे और अपशिष्ट से प्लास्टिक का दाना तैयार करने वाले सेंटर में सुबह-सुबह भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से लाखों टन प्लास्टिक का दाना जलकर खाक हो गया है।

आग की सूचना मिलते ही बीएसपी की छह गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाती रहीं। घंटो की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग लगने का कारण तो फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन इसकी अधिकारिक जांच के आदेश दे दिए गए हैं। भिलाई स्टील प्लांट के नेवई में इस्पात

संयंत्र द्वारा ही एसआरएम सेंटर बनाया है।

यहां भिलाई के सेक्टर एरिया और टाउनशिप से निकलने वाले कचरे को अलग किया जाता है। कचरों से प्लास्टिक अलग किया जाता है। गीले कचरे से खाद आदि बनाने की प्रक्रिया होती है और प्लास्टिक से दाने तैयार किए जाते हैं। इस आग की वजह से करोड़ों का नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

## योगी ने कानून-व्यवस्था को किया चुस्त-दुरुस्त : राजनाथ

**लखनऊ।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ में थे। लखनऊ में उन्होंने होली मिलन समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत त्योहारों का देश है। हम उत्सवप्रिय लोग हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि आज हर जगह उत्तर प्रदेश में बहुत से निवेश आने की बात हो रही है। हम जानते हैं कि यूपी सरकार को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से लगभग 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आज भारत में रिकॉर्ड तोड़ विदेशी निवेश हो रहा है। आपने अखबार में पढ़ा होगा कि ऐपल की नई फैक्ट्री कर्नाटक में बन रही है। पहले चीन में एप्पल करती थी ये काम अब भारत में करेगी। उन्होंने कहा कि विकास की पहली शर्त होती है कानून-व्यवस्था का चुस्त-दुरुस्त होना। योगी ने उत्तर प्रदेश में यह काम बखूबी किया है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की अर्थव्यवस्था इस बात पर निर्भर करती है कि वहां शांति व्यवस्था कैसी है और वहां की बैंकिंग व्यवस्था कितनी सुदृढ़ है।

## ओवैसी के सीमांचल दौरे से घबराई नीतीश सरकार

**पटना।** बिहार सरकार के द्वारा रमजान को देखते हुए अपने मुस्लिम कर्मचारियों को बड़ी राहत दिये जाने के फैसले पर राज्य में सियासत भी तेज हो गई है। राज्य के सीमांचल इलाके की सीटों पर पक्ष और विपक्ष की निगाहें टिकी हुई हैं। अभी हाल ही में सीमांचल में महागठबंधन की तरफ से एक बड़ी रैली की गई थी। ऐसे में राजनीति के जानकारों का मानना है कि एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के दो दिवसीय सीमांचल अभियान से सबसे ज्यादा संकट राजद और जदयू को होने वाला है। राजद अल्पसंख्यकों को अपना पारंपरिक वोट बैंक मानती है। वहीं जदयू भी अल्पसंख्यक वोट को लेकर काफी सचेत है। अल्पसंख्यक वोटरों के बीच जदयू की पकड़ भी रही है। लेकिन, ओवैसी की राजनीति का एकमात्र आधार मुसलमानों के हक की लड़ाई है। ऐसे में राजद और जदयू के लिए मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। वहीं ओवैसी के दौरे से राजद और जदयू को अपना जमीन खिसकता दिखने लगा है।

## केजरीवाल सरकार को भाजपा गिराना चाहती है : राघव चड्ढा

**नईदिल्ली।** आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद राघव चड्ढा ने शनिवार को एक बार फिर से भाजपा पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने भाजपा पर दिल्ली की केजरीवाल सरकार को गिराने का भी आरोप लगा दिया है। इसके अलावा फीडबैक यूनिट से जासूसी के भी आरोप पर भी उन्होंने केंद्र सरकार को घेरा। राघव चड्ढा ने कहा कि भाजपा दिल्ली में चुनाव दर चुनाव हारती आई है, अब चोर दरवाज़ा ढूंढ रही है। उन्होंने विधायकों को भी धमकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हमारे विधायकों को धमकी मिल रही है कि अगर हम उपमुख्यमंत्री के साथ कर सकते हैं, तुम तो सिर्फ़ विधायक हो। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भाजपा अपनी नापाक कोशिशें बंद करे। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने कई बार खूब कोशिश की, हमारे विधायक नहीं तोड़ पाई। युवा नेता ने कहा कि आप के पास प्रचंड बहुमत है। हमारे पास 62 विधायक हैं और भाजपा के पास 8 विधायक हैं।

## जनता का सामना करने से डर रही भाजपा : उमर अब्दुल्ला

**श्रीनगर।** विपक्षी दलों की ओर से जम्मू-कश्मीर में लगातार चुनाव कराने की मांग की जा रही है। विपक्षी दलों का एक प्रतिनिधिमंडल निर्वाचन आयोग से मुलाकात भी कर चुका है। इन सब के बीच चुनाव की मांग पर जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला का बयान सामने आया है। उमर अब्दुल्ला ने भाजपा पर इसको लेकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अगर बीजेपी डरी हुई है तो चुनाव नहीं होंगे और अगर वे लोगों का सामना करने के लिए तैयार हैं तो चुनाव कराने की संभावनाएं हैं। केंद्र ने 2019 में जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया था। इसके बाद से अब तक वहां चुनाव नहीं हुए है। निर्वाचन आयोग से मुलाकात के बाद फारूक अब्दुल्ला ने कहा था कि सीईसी ने हमारी बात सुनी और आश्वासन दिया कि आयोग जल्द ही इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए एक बैठक करेगा।

## एआईएमआईएम सांसद ने औरंगाबाद में आंदोलन खत्म करने का किया ऐलान

**नई दिल्ली।** औरंगाबाद शहर का नाम बदलने को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। इसके खिलाफ एआईएमआईएम का चल रहा आंदोलन शनिवार को खत्म कर दिया गया। इस बीच, एआईएमआईएम नेता इम्तियाज जलील ने दावा किया कि औरंगाबाद में शांति भंग करने की कोशिश हो रही है। इसलिए हमने अपने आंदोलन को वापस लेने का फैसला लिया है। अब शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस का काम है। जलील ने मीडिया से बातचीत में कहा, लोग यहां सकल हिंदू समाज द्वारा आयोजित रैली को संबोधित करने के लिए बाहर (औरंगाबाद से बाहर) से आ रहे हैं। हमने अपने आंदोलन को रोक दिया है। जलील ने कहा कि कलेक्टर कार्यालय के बाहर करीब दो हफ्ते पहले शुरू हुई भूख हड़ताल शनिवार से बंद हो गई। एआईएमआईएम के सांसद ने कहा, हम नाम बदलने के खिलाफ कानूनी लड़ाई को मजबूत करने के प्रयास जारी रखेंगे।

### पीएम मोदी ने ग्लोबल मिलेट्स कॉन्फ्रेंस का किया उद्घाटन, जारी किया डाक टिकट

# ग्लोबल गुड के लिए भारत की बढ़ती जिम्मेदारी का प्रतीक हैं ग्लोबल मिलेट्स कांफ्रेंस जैसे आयोजन

**नईदिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ग्लोबल मिलेट्स (श्री अन्न) कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष 2023 पर एक डाक टिकट और सिक्के का अनावरण भी किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ग्लोबल मिलेट्स (श्री अन्न) कॉन्फ्रेंस जैसे आयोजन न सिर्फ वैश्विक सामान के लिए जरूरी हैं, बल्कि वैश्विक सामान में भारत की बढ़ती जिम्मेदारी की भी प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि जब हम किसी संकल्प को आगे बढ़ाते हैं, तो उसे सिद्धि तक पहुंचाने की जिम्मेदारी भी उतनी ही अहम होती है। मुझे खुशी है कि आज विश्व जब अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष मना रहा है, तो भारत इस अभियान की अगुवाई कर रहा है।

मोदी ने कहा कि बाजरे को अब श्री अन्न के नाम से जाना जाता है। यह सिर्फ भोजन या कृषि तक ही सीमित नहीं है। श्री अन्ना अब भारत के संपूर्ण विकास का माध्यम बन रहे हैं। श्री अन्ना का अर्थ है छोटे किसानों की समृद्धि का प्रवेश द्वार है। उन्होंने कहा कि हमारे युवा साथी किस प्रकार के नए-नए स्टार्टअप लेकर इस क्षेत्र में आए हैं, ये भी अपने आप में प्रभावित करने वाला है। ये सभी भारत की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि श्री अन्ना को वैश्विक आंदोलन बनाने के लिए हमने अथक प्रयास किया है। 2018 में हमने मोटे अनाज को पोषक अनाज घोषित किया था। इसे हासिल करने के लिए हमने किसानों को जागरूक किया और बाजार में रुचि पैदा की।

प्रधानमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि श्री अन्न केवल खेती या खाने तक सीमित नहीं हैं, जो लोग भारत की परंपराओं से परिचित हैं, वह ये भी जानते हैं कि हमारे यहां किसी के आगे श्री ऐसे ही नहीं जुड़ता है। जहां श्री होती हैं वहां समृद्धि भी होती है और समग्रता भी होती है। उन्होंने कहा कि भारत में बाजरा मुख्य रूप से 12-13 राज्यों में उगाया जाता है। हालांकि, इन राज्यों में प्रति व्यक्ति घरेलू खपत 2-3 किलोग्राम प्रति माह से अधिक नहीं थी। आज यह बढ़कर 14 किग्रा प्रति माह हो गया है। उन्होंने कहा कि श्री अन्न भी भारत में समग्र विकास का माध्यम बन रहा है,

इससे गांव भी जुड़ा है और गरीब भी जुड़ा है। श्री अन्न यानी देश के छोटे किसानों के समृद्धि का द्वार। श्री अन्न यानी देश के करोड़ों लोगों के पोषण का कर्णधार। श्री अन्न यानी देश के आदिवासी समाज का सत्कार।

उन्होंने आगे कहा, हमारे लिए यह बड़े सम्मान की बात है कि भारत के प्रस्ताव और प्रयासों के बाद संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को इंटरनेशनल ईयर ऑफ बाजरा घोषित किया। भारत के 75 लाख से ज्यादा किसान आज इस समारोह में वर्चुअली हमारे साथ मौजूद हैं, जो इसके महत्व को दर्शाता है। 2.5 करोड़ छोटे किसान सीधे तौर पर बाजरा से जुड़े हैं। श्री अन्ना के लिए हमारा मिशन इन छोटे किसानों के लिए वरदान साबित होने जा रहा है।

पीएम मोदी ने कहा, श्री अन्ना मार्केट से उन्हें और इससे जुड़े इकोसिस्टम को फायदा होगा। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। देश के 19 जिलों में एक जनपद एक उत्पाद योजना के लिए भी मोटे अनाज का चयन किया गया है। भारत वर्तमान में जी20 की अध्यक्षता कर रहा है। इसका आदर्श वाक्य एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य भी अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष में परिलक्षित होता है। बाजरा नए रोजगार भी सृजित कर रहा है।

## प्रधानमंत्री मोदी के लिए डिनर की मेजबानी करेंगे अमेरिकी राष्ट्रपति

**वॉशिंगटन।** अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन इस साल के मध्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए डिनर की मेजबानी कर सकते हैं। पिछले महीने ही सामने आया था कि बाइडन प्रशासन ने इसके लिए पीएम मोदी को न्योता भी भेजा है। अफसरों ने कहा है कि व्हाइट हाउस जून में ही भारतीय प्रधानमंत्री की मेजबानी करना चाहता है, हालांकि इसकी टाइमिंग आगे-पीछे हो सकती है।

अमेरिका की ओर से पीएम मोदी को न्योता भेजा जाना दोनों देशों के गहराते रिश्तों को दर्शाता है। बीते कुछ वर्षों में अमेरिका ने भारत को केंद्र में रखते हुए अपने कई महत्वपूर्ण नीतिगत फैसले लिए हैं। इनमें उसकी इंडो-पैसिफिक नीति और क्वाड में अहम भूमिका निभाने जैसे कदम शामिल हैं।

गौरतलब है कि जो बाइडन ने पीएम मोदी से पहले सिर्फ दो ही नेताओं को आधिकारिक डिनर के लिए व्हाइट हाउस आने का न्योता दिया है। इनमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल शामिल रहे हैं। अब पीएम मोदी तीसरे ऐसे नेता होंगे, जिन्हें बाइडन व्हाइट हाउस में डिनर देंगे।

बताया गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति व्हाइट हाउस में बैठक से पहले भी पीएम मोदी से ऑस्ट्रेलिया में मिलेंगे, जहां मई में क्वाड के चारों देश चर्चा करने के लिए इकट्ठा होंगे। सितंबर में भी पीएम मोदी का व्यस्त कार्यक्रम रहेगा। भारत इस साल जी-20 की मेजबानी कर रहा है। सितंबर में जी-20 का शिखर सम्मेलन भी होना है, जिसमें वैश्विक नेताओं के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन भी शामिल होंगे। इसके बाद साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए प्रधानमंत्री मोदी का प्रचार अभियान शुरू होगा। ऐसे में पीएम मोदी के पास घरेलू व्यस्तताएं होंगी।

### जयराम रमेश बोले- विपक्ष की जेपीसी की मांग जायज

# ब्रिटेन में टिप्पणी पर राहुल नहीं मांगेंगे माफी

**नई दिल्ली।** विपक्ष की अदाणी मामले पर जेपीसी की मांग और सरकार की ब्रिटेन में राहुल गांधी द्वारा की गई टिप्पणियों को लेकर माफी की मांग को लेकर संसद चल नहीं पा रही है। वहीं अब इस मुद्दे पर जयराम रमेश ने कहा कि उन्हें संसद में गतिरोध खत्म करने के लिए कोई बीच का रास्ता नजर नहीं आता क्योंकि अदाणी मामले की जेपीसी जांच की विपक्ष की मांग एकदम जायज है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि अदाणी मुद्दे की संयुक्त संसदीय जांच की मांग के लिए 16 विपक्षी दलों के एक साथ आने से सरकार बौखला गई है और इससे बचने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रही है। आगे जयराम रमेश ने ब्रिटेन में अपनी टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता समाप्त करने की भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बयान पर भी निशाना साधा और कहा कि यह सब डराना-धमकाना और वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने के प्रयासों का हिस्सा है। संचार प्रभारी कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश की यह टिप्पणी राहुल गांधी की हाल की ब्रिटेन यात्रा के दौरान की गई टिप्पणी को लेकर संसद में गतिरोध के बीच आई है, गतिरोध के चलते दोनों सदन बजट सत्र की दूसरी छमाही के पहले पांच दिन ठप रही हैं। साथ ही शुक्रवार को गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि अगर विपक्ष बातचीत के लिए आगे आता है तो संसद में मौजूदा गतिरोध को हल किया जा सकता है और अगर विपक्ष दो कदम आगे बढ़ता है तो सरकार दो कदम आगे बढ़ेगी।

### कांग्रेस महिला विंग ने नड्डा के घर के बाहर किया प्रदर्शन

लोकसभा में राहुल गांधी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी को लेकर कांग्रेस की महिला शाखा ने शनिवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास के बाहर धरना दिया। विरोध प्रदर्शन के दौरान विंग की प्रमुख अमृता धवन सहित दिल्ली प्रदेश महिला कांग्रेस के कई सदस्यों को हिरासत में लिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मोती लाल नेहरू प्लेस से करीब 15 महिलाओं को हिरासत में लिया गया। बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। कांग्रेस के कई नेताओं ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि जब उन्होंने गांधी को बोलने की अनुमति देने की मांग को लेकर नारे लगाए तो लोकसभा में कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

## सिर्फ विकास के लिए भाजपा करती है काम : जेपी नड्डा

**बेंगलुरु।** भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कर्नाटक के चिक्कानायकनहल्ली में एक बाइक रैली में भाग लिया। विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए भाजपा ने राज्य में अपनी पूरी ताकत लगा दी है। इस दौरान जेपी नड्डा ने साफ तौर पर कहा कि आपका उत्साह इस बात को स्पष्ट करता है कि आने वाले समय में आप बीजेपी को ही वोट देंगे। उन्होंने कहा कि देश के करोड़ों किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत सालाना 6 हजार रुपए की सहायता दी जा रही है और इसका फायदा कर्नाटक के लाखों किसानों को भी हो रहा है। उन्होंने साथ ही दावा किया कि हवाई अड्डों, राजमार्गों और एक्सप्रेसवे के निर्माण के साथ कर्नाटक तेजी से विकास कर रहा है। इस दौरान भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी मतलब कमीशन, भ्रष्टाचार, वंशवादी शासन और अपराधीकरण है। जबकि भाजपा का मतलब विकास, विकास और विकास है। उन्होंने कहा कि हाल ही में पूर्वोत्तर के राज्यों में संपन्न हुए चुनावों में कांग्रेस की करारी हार हुई।

खेल
प्रमुख समाचार

## डब्ल्यूटीसी फाइनल में अगर राहुल विकेट कीपिंग करते हैं तो बल्लेबाजी मजबूत होगी : शास्त्री

**नयी दिल्ली।** पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने जून में 'द ओवल' में होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिये केएल राहुल का विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर अपना स्थान पक्का करने के लिये समर्थन किया और कहा कि उनकी मौजूदगी से टीम का बल्लेबाजी 'लाइन-अप' मजबूत होगा। राहुल का इंग्लैंड में अच्छा रिकॉर्ड है लेकिन खराब फॉर्म के कारण उन्हें घरेलू सरजमी पर आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो टेस्ट के बाद अंतिम एकादश से बाहर कर दिया गया।

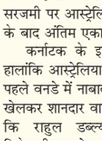

कर्नाटक के इस 30 साल के खिलाड़ी ने हालांकि आस्ट्रेलिया के खिलाफ शुक्रवार की रात पहले वनडे में नाबाद 75 रन की मैच विजयी पारी खेलकर शानदार वापसी की। शास्त्री को लगता है कि राहुल डब्ल्यूटीसी फाइनल में बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज खेल सकते हैं क्योंकि ऋषभ पंत की अनुपस्थिति में केएस भरत अच्छा प्रदर्शन नहीं दिखा सके।

शास्त्री ने कहा, ''उसने (केएल) सचमुच काफी अच्छा प्रदर्शन किया जिससे डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले चयनकर्ताओं की दिलचस्पी उनमें बनी रहेगी। उन्होंने कहा, 'दो चीजें हैं। पहली वनडे श्रृंखला के लिये जब रोहित शर्मा वापसी करेंगे और दूसरी डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिये, जिसमें अगर राहुल विकेटकीपर करते हैं तो उनकी बल्लेबाजी मजबूत होगी। शास्त्री ने कहा, 'राहुल मध्यक्रम (पाचवें और छठे नंबर) में बल्लेबाजी कर सकता है। इंग्लैंड में आपको आमतौर पर विकेटकीपिंग थोड़ी पीछे से करनी होती है। आपको ज्यादा स्पिनर नहीं लगाने पड़ते। उसके (केएल) पास आईपीएल से पहले दो और वनडे हैं। वह इनमें अच्छे प्रदर्शन से उस भारतीय टीम में अपना स्थान पक्का कर सकता है। राहुल ने इंग्लैंड में नौ टेस्ट में दो शतक और एक अर्धशतक से 614 रन बनाये हैं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

## नैनो डीएपी का तीन साल तक विनिर्माण करेंगे इफको

**नईदिल्ली।** खाद बनाने वाली प्रमुख सहकारी कंपनी इफको और कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड अगले तीन साल तक नैनो डीएपी का विनिर्माण करेंगे। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक राज्यमंत्री भगवंत खूबा ने शुक्रवार को लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में दो मार्च को अधिसूचना जारी की जा चुकी है। डाई अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) देश में यूरिया के बाद उपयोग किया जाने वाला दूसरा बड़ा उर्वरक है। मंत्री ने कहा कि इफको ने बताया है कि वह गुजरात की कलोल इकाई में एक नैनो डीएपी संयंत्र स्थापित कर रहा है, जिसकी क्षमता आधा लीटर की दो लाख बोतलों का प्रतिदिन उत्पादन करने की होगी। उन्होंने आगे कहा, व्यावसायिक उत्पादन शुरू होने के बाद नैनो डीएपी देशभर के बाजारों में उपलब्ध हो जाएगा।

## निवेशकों ने सिक्किम में निवेश करने में रुचि दिखाई : तमांग

**गंगटोक।** सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने कहा कि निवेशकों ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में 1,000 करोड़ रुपये का निवेश करने में रुचि दिखाई है। उन्होंने कहा कि सरकार तत्काल निवेशकों के अनुकूल नीतियां लागू करना शुरू कर देगी। तमांग ने कहा कि 16 मार्च को जी-20 बैठक के दौरान निवेशकों द्वारा दिखाई गई रुचि आगे चलकर राज्य के लिए लाभकारी होगी। मुख्य सचिव वीबी पाठक ने कहा कि जी-20 के 12 देशों के प्रतिनिधियों ने बी-20 सम्मेलन में भाग लिया है। उन्होंने कहा निवेशकों ने राज्य में सूचना प्रौद्योगिकी, ढांचागत, अक्षय ऊर्जा, कौशल विकास, शिक्षा, कृषि-प्रसंस्करण, जैविक खेती, वन उत्पाद और आतिथ्य क्षेत्र में 1,000 करोड़ रुपये का निवेश करने में रुचि दिखाई है।

## एसजीईएल को 1,000 करोड़ रुपये की परियोजना मिली

**मुंबई।** सरकारी कंपनी एसजेवीएन ने शनिवार को कहा कि उसकी हरित ऊर्जा की अनुषंगी कंपनी को महाराष्ट्र में 200 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना मिली है। इस परियोजना की लागत 1,000 करोड़ रुपये है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया, कंपनी के पूर्ण स्वामित्व वाली एसजेवीएन ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एसजीईएल) को महाराष्ट्र राज्य बिजली वितरण कंपनी लिमिटेड से स्वीकृति पत्र मिला है। यह परियोजना 18 महीने के अंदर पूरी होगी। यह समय एमएसईडीसीएल के साथ ऊर्जा खरीद समझौता (पीपीए) होने की तारीख से शुरू होगा। कंपनी ने बताया कि इस परियोजना की लागत लगभग 1,000 करोड़ रुपये होगी। इस परियोजना से पहले साल 45.55 करोड़ यूनिट बिजली उत्पादन होगा और 25 साल की अवधि में कुल बिजली उत्पादन 1,048 करोड़ करोड़ यूनिट होगा। इस परियोजना के शुरू होने से 5,13,560 टन कार्बन उत्सर्जन के कम होने की उम्मीद है।

## गवर्नर ने डिजिटल भुगतान में शिकायत निवारण तंत्र की उपलब्धता पर दिया जोर

**नई दिल्ली।** भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शनिवार को डिजिटल भुगतान में त्वरित शिकायत निवारण तंत्र की उपलब्धता और सामर्थ्य के महत्व पर जोर दिया। शनिवार को कोच्चि में भुगतान प्रणाली ऑपरेटरों (पीएसओ) सम्मेलन में बोलते हुए, गवर्नर ने कहा, डिजिटल भुगतान में जनता का विश्वास सुनिश्चित करने के लिए त्वरित शिकायत निवारण तंत्र की उपलब्धता और सामर्थ्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। शक्तिकांत दास ने कहा कि पारंपरिक बैंक शाखा मॉडल एक भौतिक स्थान प्रदान करता है जहां ग्राहक अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं, डिजिटल भुगतान में ऐसा नहीं हो पा रहा है। यहां उपयोगकर्ताओं को कभी-कभी अपनी शिकायतों को दर्ज करने के लिए उचित मंच का पता लगाने में मुश्किल होती है।

# अमेरिकी बैंकों के डूबने का असर भारत में नहीं

**सतीश सिंह**

अमेरिका की बैंकिंग प्रणाली की मौजूदा मुश्किलों के भारतीय स्टार्टअप और बैंकों पर प्रभाव के बारे में आकलन करने की कोशिश हो रही है। सिलिकॉन वैली बैंक (एसवीबी) मुख्य तौर पर स्टार्टअप ग्राहकों से जमा लेने के अलावा स्टार्टअप कंपनियों, उद्यम, पूंजीपतियों और प्रौद्योगिकी कंपनियों को कर्ज मुहैया कराता था, जबकि सिग्नेचर बैंक जमा लेने के अलावा मुख्य तौर पर रियल एस्टेट क्षेत्र को ऋण देता था। सिग्नेचर बैंक के पास क्रिप्टो करेंसी के ज्यादा स्टॉक थे, जिसके जोखिम लगातार बढ़ रहे हैं। बैंक का जोखिम सीमा से अधिक न बढ़ जाए, इसलिए इसे बंद कर दिया गया। वर्ष 1983 में शुरू हुए एसवीबी से 2021 तक 50 प्रतिशत अमेरिकी उद्यम-समर्थित स्टार्टअप जुड़े हुए थे। इसने वीओएक्स मीडिया जैसी मीडिया कंपनियों को भी सेवा मुहैया करायी थी। कई क्रिप्टोकरेंसी कंपनियों की रकम भी इस बैंक में जमा थीं। इस बैंक के डूबने के प्रमुख कारकों में टेक कंपनियों के शेयरों की कीमत में भारी कमी आना, महंगाई के बढ़ने के कारण फेडरल रिजर्व बैंक द्वारा नीतिगत दरों में भारी इजाफा करना आदि है।

एसवीबी के बड़े टेक कारोबारी ग्राहकों के शेयरों की कीमत में जब गिरावट आयी, तो इन्हें कारोबार करने के लिए ज्यादा नकदी की जरूरत आन पड़ी, जिसे पूरा करने के लिए ये अपने बैंक जमा से निकासी करने लगे। इसके अलावा, लाभ नहीं अर्जित करने वाली कंपनियों को दूसरी जगह से उधारी मिलनी बंद हो गयी। इस कारण वे अपने कारोबार को चलाने के लिए अपनी जमा-पूंजी निकालने लगे। एसवीबी से जब अधिक निकासी की जाने लगी, तो बैंक को ग्राहकों की जरूरत पूरी करने के लिए अपनी

परिसंपत्तियों को बेचना पड़ा। पर जमाकर्ताओं की जरूरत पूरी नहीं हो पा रही थी। एसवीबी ने बड़ी मात्रा में बॉन्ड जैसे सुरक्षित विकल्पों में सस्ती दर में निवेश किया था, लेकिन उसे अचानक उन्हें घाटे में बेचना पड़ा। वर्ष 2008 की मंदी के बाद अमेरिका में ब्याज दरें काफी नीचे आ गयी थीं। बैंक ने उस समय लंबी अवधि के लिए ऋण सस्ती दर पर दी थी, लेकिन अब अधिक ब्याज दर के दौर में बैंक को मंहगी दर पर पूंजी लाना पड़ रहा था, जिससे बैंक का मुनाफा सिकुड़ने लगा। एसवीबी ने आठ मार्च को तरलता सुनिश्चित करने के लिए 1.8 अरब डॉलर के नुकसान पर 21 अरब डॉलर की प्रतिभूतियां बेचीं और 2.2 अरब डॉलर मूल्य के शेयर बेचने की भी योजना बना रहा था। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और आइटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर यह आकलन करने की कोशिश कर रहे हैं कि अमेरिका के दोनों बैंकों के दिवालिया होने से भारत के स्टार्टअप या बैंकों पर कितना प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है? वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार देश में मान्यता प्राप्त स्टार्टअप की संख्या 2016 में 452 थी, जो 2022 में 84,012 हो गयी। इससे देश में 8,40,000 से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं। भारत में कितने स्टार्टअप ने एसवीबी से कर्ज लिया है, इसके ठीक-ठीक आंकड़ें उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन माना जा रहा है कि भारत के लगभग 1,000 स्टार्टअप के पैसे एसवीबी में जमा हो सकते हैं, क्योंकि कई स्टार्टअप का कारोबार अमेरिका में है। एक अनुमान के अनुसार, सिलिकॉन वैली में हर तीसरे स्टार्टअप के संस्थापक भारतीय-अमेरिकी हैं।

इसमें दो राय नहीं है कि एसवीबी ने भारतीय स्टार्टअप को कर्ज दिया है और भारतीय स्टार्टअप ने वहां पैसे भी जमा किये हैं। फिर भी, यह मानना मुनासिब होगा कि भारत के वैसे स्टार्टअप, जिनका कारोबार अमेरिका में है, पर एसवीबी के डूबने का आंशिक असर पड़ सकता है, क्योंकि बैंक के अधिकतर ग्राहक स्टार्टअप हैं। इस प्रकरण का कोई प्रतिकूल प्रभाव भारतीय बैंकों पर नहीं पड़ेगा, क्योंकि भारतीय बैंकों का कारोबार एसवीबी या सिग्नेचर बैंक के साथ नहीं है, लेकिन इसका प्रभाव कुछ देशों पर जरूर पड़ेगा। एसवीबी और सिग्नेचर बैंक के डूबने से यह भी साफ हो जाता है कि इनका प्रबंधन सही तरह से अपनी जिम्मेवारियों का निर्वहन नहीं कर रहा था।

# खाड़ी में चीन की ताकत भारत का सिरदर्द

**प्रदीप कुमार**

हजरत मोहम्मद के उत्तराधिकार पर विवाद से उपजा शिया-सुन्नी टकराव मार्च के पहले पखवाड़े में एक ऐतिहासिक बिंदु पर पहुंचा। चीन की मध्यस्थता के नतीजतन बीजिंग में गुप्त वार्ताओं के बाद सुन्नी ताकत के प्रतीक सऊदी अरब और शिया ईरान कूटनीतिक संबंधों की पुनर्स्थापना पर सहमत हो गए। फारस की खाड़ी सहित पूरे पश्चिम एशिया में करीब एक शताब्दी से चले आ रहे पश्चिमी खेमे के वर्चस्व को यह दूसरा बड़ा झटका है। पहले झटके में भी ईरान था, जब 1979 में अयातुल्ला खुमैनी के नेतृत्व में हुई इस्लामी क्रांति ने अमेरिका परस्त शाह रजा पहलवी को अपदस्थ कर दिया था।

अमेरिका ईरान को अलग-थलग करने में लगा था कि जिस चीन को वह अपनी सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता है, उसने अभी तक अमेरिकी छत्रछाया में रहे सऊदी अरब और ईरान को एक मेज पर बैठाकर समझौता करा दिया। अमेरिका के लिए एक बुरी खबर यह भी है कि मास्को-तेहरान सामरिक सहयोग के बीच रूस ईरान को सुखोई युद्धक विमान देने पर सहमत हो गया है। उधर यूक्रेन में फंसे रूस को ईरान से खास तरह के ड्रोन की सप्लाई की खबरें काफी पहले से ही आ रही हैं। चीन अगर वाशिंगटन की धमकियों को दरकिनार कर रूस को हथियारों की सप्लाई शुरू कर देता है, तो यह भी अमेरिका के लिए खराब संकेत होगा। अमेरिकी मीडिया के मुताबिक, सऊदी सरकार ने ईरान से सहमति हो जाने के बाद अमेरिका को सूचित किया। यह वही सऊदी अरब है, जिसने मक्का शरीफ की हिफाजत के लिए अमेरिकी सैनिक बुलाए थे। अमेरिका के इस घटते कूटनीतिक-सामरिक प्रभाव के मुकाबले चीन के लगभग पांच दशक पुराने सपने साकार हो रहे हैं। चीन की उग्र हान राष्ट्रवादी महत्वाकांक्षाओं की वेदी पर कम्युनिस्ट बिरादराने सिद्धांतों की सहर्ष बलि की भी यह अबधि साक्षी है। अमेरिका और ब्रिटेन की मदद से गद्दीनशीन हुए रजा शाह पहलवी जब ईरान की प्रभावशाली कम्युनिस्ट पार्टी, तूदेह का दमन कर रहे थे, चीन इस अमेरिकी कठपुतली से प्रेम की पींगें बढ़ाने में लगा था। चीनी मीडिया शाह विरोधी आंदोलन की निंदा किया करता था। इस वजह से क्रांति के बाद शुरुआती वर्षों में अयातुल्लाओं से रिश्ते बनाने में चीन को कठिनाई जरूर हुई, लेकिन कामयाबी का सिलसिला शुरू होने में ज्यादा वक्त नहीं लगा। चीन की कोशिशें अब परवान चढ़ रही हैं। उधर अमेरिका समर्थक सऊदी अरब को खुश करने में चीन इस हद तक चला गया कि कुवैत पर इराकी कब्जे के बाद अमेरिकी सैनिक हस्तक्षेप के सऊदी अनुरोध का भी अनुमोदन कर डाला, हालांकि चीन सहित पूरी दुनिया मानती थी, अमेरिका पश्चिम एशिया के तेल स्रोतों पर एकाधिकार कायम करना चाहता है। चीन की चिंता थी कि फारस की खाड़ी से लेकर कैस्पियन सागर के तटवर्ती देशों तक समुद्री मार्ग को नियंत्रित कर अमेरिका तेल की आपूर्ति को संचालित करना चाहता है। चीन 1990 के बाद पेट्रोलियम पदार्थों की बेतहाशा बढ़ती घरेलू मांग के मद्देनजर अमेरिका को इस खेल में शिकस्त देना चाहता था। अमेरिकी उद्योग-व्यापार का एक असरदार वर्ग अधिकाधिक लाभ कमाने के लालच में चीन का रास्ता आसान करता रहा। अब जबकि सऊदी अरब और ईरान चीन के दो बड़े तेल निर्यातक होने के साथ ही बीजिंग के प्रयासों से नजदीक आ रहे हैं, समुद्री तेल मार्गों को अवरुद्ध करने के अमेरिकी विकल्प का सीमित होना स्वाभाविक है। ईरान की अनदेखी करना आसान था, सऊदी अरब की नहीं, क्योंकि अमेरिका वहां बहुत गहराई तक घुसा हुआ है। सऊदी अरब की हुकूमत में निर्णायक भूमिका में आ चुके शाहजादा मोहम्मद बिन सलमान की अपनी राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय महत्वाकांक्षाएं हैं।

# एक इमरान खान और घुटने पर पूरा पाकिस्तान

**बिक्रम उपाध्याय**

15 मार्च को लाहौर के जमान पार्क स्थित अपने घर में इमरान खान डट कर बैठे रहे और बाहर उनके समर्थकों और पुलिस में एक जंग चलती रही। पुलिस वाले पिट रहे थे और तहरीक ए इंसाफ वाले उन्हें पीट रहे थे। पुलिस की गाड़ियों और पानी की बौछार करने वाली मशीनों को आग के हवाले कर दिया गया और सबसे शर्मनाक बात यह कि इमरान को गिरफ्तार करने आए पंजाब के आला पुलिस अधिकारियों पर गिलगित बाल्टिस्तान के पुलिस वालों ने ही बंदूकें तान दी, जो इमरान खान की हिफाजत में लगाए गए थे। इमरान की गिरफ्तारी का आदेश इस्लामाबाद कोर्ट ने जारी किया था वह भी 13 मार्च को पेशी की छठी तारीख पर भी पेश नहीं होने के कारण। पंजाब पुलिस की लाज तब जाकर बची जब लाहौर हाईकोर्ट ने कार्रवाई पर रोक लगा दी।

अब इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आगे इमरान खान गिरफ्तार होते हैं या नहीं, अदालत जाते हैं या नहीं। फिलहाल तो उन्होंने पाकिस्तान की सत्ता के स्तंभों (कार्यपालिका और न्यायपालिका दोनों) को अपने पैरों तले कुचल कर रख दिया है।

मामला एक नहीं कई हैं। इमरान खान पर केस ही केस है। पर मजाल है कि उन केसों की जरा भी उन्हें परवाह हो। वह रैलियों में तो जाते हैं पर अदालतों को यह कह कर टरका देते हैं कि उनके पैर में गोली लगने के कारण वह ठीक से चल फिर नहीं सकते या सुरक्षा कारणों से उनके लिए खुले में अदालत पहुंचना जान जोखिम में डालना है। उनके लिए जज घंटों इंतजार करते हैं पर उन्हें नहीं आना होता तो नहीं आते हैं।

तोशाखाना मामले में केस दर्ज होने के बाद पिछले साल दिसंबर से ही अदालत इमरान खान का इंतजार कर रही है। आरोप तय करने के लिए इस्लामाबाद सेशन कोर्ट ने पांच तारीखें देने के बाद इमरान खान के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था, पर उसे धत्ता बताने के लिए इस बार भी जाना जरूरी नहीं समझा और गिरफ्तार करने आई पुलिस को सीधे चुनौती दे डाली।

इमरान ने समर्थकों को यह कह कर अपने इर्द-गिर्द में इकट्ठा किया कि जो जमान पार्क नहीं पहुंचेगा उसे वह चुनाव में टिकट नहीं देंगे। फिर क्या था सभी नेता इमरान के हुक्म पर तामीर के लिए लाठी डंडे, पेट्रोल बम और आग लगाने के सामान के साथ पहुंच गए। पाकिस्तान के चैनलों में यहां तक कहा गया कि इमरान ने जमान पार्क में कुछ ऐसे लोग भी जमा कर रखे हैं, जिनका ताल्लुक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन से है।

इमरान केवल अदालतों को ही मामू नहीं बना रहे, वह तो पाकिस्तान की सरकार को ही कुछ नहीं मानते। वह मौजूदा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके बड़े भाई पीएमएल एन के रहनुमा नवाज शरीफ को नाम के साथ चोर और डाकू बुलाते हैं तो इंटीरियर मिनिस्टर राणा सनाउल्ला को कसाई। कई लोग तो इमरान खान के इसलिए करीब हैं कि वे ठीक ठाक सार्वजनिक मंचों से भी गाली गलौज कर लेते हैं। उनमें शेख रशीद, शाहबाज गिल और आजम स्वाती जैसे लोग शामिल हैं। इन लोगों ने पाकिस्तानी आर्मी तक को नहीं बख्शा है। इन सबको इस कारण जेल भी हो चुकी है।

इमरान खुद रोज ही आर्मी के बड़े ओहदेदारों को लानत मलानत भेजते हैं। पूर्व आर्मी चीफ जनरल बाजवा द्वारा आर्मी को न्यूट्रल कहे जाने पर इमरान ने जानवर करार दिया और बाजवा की तुलना मीर जाफर से कर दी। दूसरे शब्दों में सीधे धोखेबाज बता दिया। इमरान खान मौजूदा आर्मी चीफ जनरल आसिफ मुनीर को भी नहीं छोड़ रहे। इस समय पाकिस्तान में जो कुछ भी उनको लेकर हो रहा है, उसके पीछे आर्मी चीफ का हाथ होने का दावा कर रहे हैं। घरेलू और विदेशी मीडिया में जनरल मुनीर को रोज घसीट रहे हैं।

पाकिस्तान के चुनाव आयोग पर भी इमरान खान को भरोसा नहीं है और वह चुनाव आयोग के किसी भी फैसले को सीधे मानने से इंकार कर देते हैं। वह मुख्य चुनाव आयुक्त सिकंदर सुल्तान राजा को नवाज शरीफ का पिट्ठू बताते हैं और आयोग की विश्वसनीयता पर करारी चोट करते हैं। इमरान ही क्यों, तहरीक ए इंसाफ पार्टी के हर बड़े नेता चुनाव आयोग के खिलाफ बयानबाजी का मुकदमा झेल रहे हैं। इमरान खान के बेहद करीबी फव्वाद चौधरी तो हाल में मुख्य चुनाव आयोग को जान की धमकी देने पर जेल की यात्रा कर आए हैं। पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने इमरान पर विदेशी लोगों व एजेंसियों से चंदा लेने और उसकी जानकारी आयोग को नहीं देने, पाकिस्तानी खजाने से मनमाने तरीके से तोहफों को गायब करने और चुनाव का पर्चा भरते समय अपनी एक बेटी होने की जानकारी छुपाने का मामला दर्ज कर रखा है और इमरान खान को चुनाव लड़ने से पांच साल के लिए प्रतिबंधित करने का फैसला भी सुना रखा है, लेकिन इमरान ने अदालती फैसलों के जरिए चुनाव आयोग को फिलहाल नाउत्तर कर रखा है। इमरान खान अभी किसी ओहदे पर नहीं हैं, लेकिन उनका रूतबा पाकिस्तान के राष्ट्रपति डॉ आरिफ अल्वी पर खूब चलता है। डॉक्टर अल्वी सदर के रूप में कम इमरान के ताबेदार के रूप में ज्यादा काम करते हैं। कभी वह आर्मी के बड़े आफिसर्स और इमरान खान की गुप्त बैठकें करवाते हैं तो कभी वह उनके लिए राजनीतिक बयानबाजी कर देते हैं। और तो और सभी प्रोटोकॉल तोड़कर पाकिस्तानी राष्ट्रपति के ओहदे पर होने के बावजूद डॉ अल्वी खुद इमरान खान से मिलने उनके घर चले जाते हैं। उन्होंने तो इमरान खान की मर्जी के मुताबिक चुनाव आयोग को अपने घर बुलाकर पंजाब और खैबरपख्तुनख्वा में चुनाव की तारीख बताने का फरमान जारी कर दिया। जब मुख्य चुनाव आयुक्त ने इस काम के लिए राष्ट्रपति भवन जाने से इंकार कर दिया तो डॉ अल्वी ने खुद ही चुनावों की तारीख का ऐलान कर दिया। बाद में मामले को सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान में लिया और चुनाव आयोग के अधिकार को खारिज करते हुए राष्ट्रपति द्वारा चुनाव की तारीख तय किए जाने को सही करार दिया। उल्लेखनीय है कि डॉ अल्वी ने इमरान खान के हटने के बाद बीमारी का बहाना बनाकर शहबाज शरीफ को वजीर ए आजम पद की शपथ दिलवाने से इंकार कर दिया था।

मतलब, सत्ता में नहीं होने के बावजूद इमरान के लिए पाकिस्तान का इकोसिस्टम काम कर रहा है। पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश साकिब निसार ने हाल ही में यह स्वीकार किया है कि रिटायरमेंट के बाद भी वह इमरान खान और पूर्व आईएसआई जनरल फैज के संपर्क में रहे हैं। उन्होंने यह भी माना कि खुद इमरान खान ने उन्हें फोन कर के अदालती मामलों में सहयोग करने का निवेदन किया। अब यह आम तास्सुर है कि साकिब निसार और जनरल फैज आज भी इमरान खान के लिए अदालतों को मैनेज करने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए पाकिस्तान की मौजूदा पीडीएम की सरकार इमरान के सामने एक दम पंगु दिखाई दे रही है। इमरान इस सरकार की हैसियत को खुली चुनौती दे रहे हैं और सरकार सिर्फ बेचारगी का सबूत दे रही है।

## प्रसंग

### सुखी जीवन का मूलमन्त्र

जापान के सम्राट् यामातो का एक राज्यमंत्री था ओ-चो सान उसका परिवार सौहार्द्रता के लिए बड़ा प्रसिद्ध था। यद्यपि उसके परिवार में लगभग एक हजार सदस्य थे, पर उनके बीच एकता का अटूट सम्बन्ध स्थापित था। सभी सदस्य साथ-साथ रहते और साथ-साथ ही खाना खाते थे। फिर उनमें द्वेष कलह की बात ही क्या ? ओ-चो सान के परिवार की सौहार्द्रता की बात यामातो के कानों तक पहुँची सत्यता की जाँच करने के लिए एक दिन वे स्वयं उस वृद्ध मन्त्री के घर तक आ पहुँचे। स्वागत-सत्कार और शिष्टाचार की साधारण रस्में समाप्त हो जाने पर उन्होंने पूछा, महाशय ! मैंने आपके परिवार की एकता और मिलनसारिता की कई कहानियाँ सुनी हैं। क्या आप बतलाएँगे कि एक हजार से भी अधिक व्यक्तियोंवाले आपके परिवार में यह सौहार्द्रता और स्नेह सम्बन्ध किस तरह बना हुआ है ? ओ-चो सान वृद्धावस्था के कारण अधिक देर तक बातें नहीं कर सकता था। अत: उसने अपने पौत्र को संकेत से कलम दावात और कागज लाने के लिए कहा। उन चीजों के आ जाने पर उसने अपने काँपते हाथों से कोई सौ शब्द लिखकर वह कागज सम्राट यामातो की ओर बढ़ा दिया। सम्राट ने उत्सुकतावश कागज पर नजर डाली, तो वे चकित रह गये। कागज में एक ही शब्द को सौ बार लिखा गया था सहनशीलता, सहनशीलता, सहनशीलता। सम्राट् को चकित और अवाक् देखकर ओ-चो-सान ने अपनी काँपती हुई आवाज में कहा, महाराज ! मेरे परिवार की सौहार्द्रता का रहस्य बस इसी एक शब्द में निहित है।

## आज की महत्वपूर्ण घटनाएं

1995 प्लायमाउथ थिएटर न्यूयॉर्क सिटी में अनुवाद खुल गया। इसने 25 प्रदर्शन किए हैं।
1996 विनी मंडेला ने शादी के 38 साल बाद दक्षिण अफ्रीका के नेल्सन मंडेला को तलाक दिया।
2004 अमेरिका ने विश्व व्यापार संगठन में पहली बार चीन पर मुकदमा ठोका।
2005 पाकिस्तान ने शाहीन-II प्रक्षेपास्त्र का सफल परीक्षण किया।
2008 पाकिस्तान के राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ ने सबरजीत की फांसी 30 अप्रैल, 2008 तक रोकी।
2010 ईरान के पूर्व उपराष्ट्रपति, होसैन मारशी को दुष्प्रचार फैलाने के आरोप में जेल की सजा सुनाई गई है।
2011 केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के प्रमुख के रूप में 14 वें दलाई लामा के इस्तीफे को तिब्बती संसद ने निर्वासन में खारिज कर दिया है।
2012 सोमाली राष्ट्रीय रंगमंच दो दशकों के बाद मोगादिशु में फिर से खुल गया। इसे गृहयुद्ध के कारण बंद रखा गया था।
2013 रोम, इटली में, पोप फ्रांसिस के लिए पोप का उद्घाटन समारोह रोम, इटली में सेंट पीटर स्क्वायर में आयोजित किया जाता है। समारोह में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए।

**नवरात्र पर विशेष**

# व्रत, संयम, नियम और भक्ति का महापर्व है चैत्र नवरात्र

शक्ति की आराधना का पर्व नवरात्र चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (22 मार्च) से प्रारंभ होने जा रहा है. सनातनधर्मी शारदीय नवरात्र की तरह ही चैत्र नवरात्र को पूरी श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं. नवरात्र में मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा-आराधना का विधान है. साथ ही इस दिन से नव संवत्सर 2080 (विक्रम संवत) की शुरुआत होगी. ये नौ दिन व्रत, संयम, नियम के पालन के साथ भक्ति-पूजन का विशेष अवसर है, जो हमारी आध्यात्मिक और मानसिक शक्ति के संचयन में लाभकारी है.

गवान आदिशंकराचार्य विरचित सौंदर्य लहरी में माता पार्वती के पूछने पर भगवान शंकर नवरात्र का परिचय देते हुए बताते हैं-

*नवशक्तिभि: संयुक्तं नवरात्रं तदुच्यते।*
*एकैकवदेव देवेशि नवधा परितिष्ठिता।।*

अर्थात् नवरात्र नौ शक्तियों से संयुक्त है. नवरात्र के नौ दिनों में प्रतिदिन एक शक्ति की पूजा का विधान है. इन नौ रातों में तीन देवियों- महालक्ष्मी, महासरस्वती और महाकाली के नौ स्वरूपों की पूजा होती है. दोनों ही नवरात्र में मां दुर्गा के शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्माण्डा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी, सिद्धिदात्री रूपों का पूजन और अर्चन का विधान है.

हिंदू धर्म में प्रचलित मान्यताओं के अनुसार, चैत्र नवरात्रि के पहले दिन मां दुर्गा का जन्म हुआ था और मां दुर्गा के कहने पर ही ब्रह्मा जी ने सृष्टि का निर्माण किया. इसीलिए चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से हिंदू वर्ष का शुभारंभ होता है. मान्यतानुसार, भगवान विष्णु के सातवें अवतार भगवान राम का जन्म भी चैत्र नवरात्रि में ही हुआ था, इसलिए धार्मिक दृष्टि से भी चैत्र नवरात्र का महत्व बढ़ जाता है. नवरात्र शब्द से नव अहोरात्रों (विशेष रात्रियों) का बोध होता है. इस समय शक्ति के नवरूपों की उपासना की जाती है. रात्रि शब्द सिद्धि का प्रतीक है. दरअसल, भारत के प्राचीन ऋषि-मुनियों ने रात्रि को दिन की अपेक्षा अधिक महत्व दिया है, इसलिए दीपावली, होलिका, शिवरात्रि और नवरात्र आदि उत्सवों को रात में ही मनाने की परंपरा है. यदि रात्रि का कोई विशेष रहस्य न होता तो ऐसे उत्सवों को रात्रि न कहकर दिवा ही कहा जाता, लेकिन नवरात्र के दिन नवदिन नहीं कहे जाते. इन नवरात्रियों में लोग अपनी आध्यात्मिक और मानसिक शक्ति संचय करने के लिए अनेक प्रकार के व्रत, संयम, नियम, यज्ञ, भजन, पूजन, योग-साधना आदि करते हैं. कुछ साधक इन रात्रियों में पूरी रात पद्मासन या सिद्धासन में बैठकर आंतरिक त्राटक या बीज मंत्रों के जाप द्वारा विशेष सिद्धियां प्राप्त करने का प्रयास करते हैं.

# प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की प्रमुख सूत्रधार अवंतीबाई लोधी

**धीरेंद्र यादव**

1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की एक वीरांगना हैं रानी अवंतीबाई लोधी, जिनके योगदान को हमेशा से इतिहासकारों ने कोई अहम स्थान न देकर नाईसाफी की है। आज देश में बहुत से लोग हैं जो इनके बारे में जानते भी नहीं है। लेकिन इनका योगदान भी 1857 के स्वाधीनता संग्राम की अग्रणी नेता वीरांगना झांसी की रानी लक्ष्मीबाई से कम नहीं है, लेकिन इतिहासकारों की पिछड़ा और दलित विरोधी मानसिकता ने हमेशा से इनके बलिदान और 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को नजरअंदाज किया है। वीरांगना अवंतीबाई लोधी आज भी लोक काव्यों की नायिका के रूप में हमें राष्ट्र के निर्माण, शौर्य, बलिदान व देशभक्ति की प्रेरणा प्रदान कर रही हैं। हमारे देश की सरकारों ने चाहे केंद्र की जितनी सरकारें रही हैं या राज्यों की जितनी सरकारें रही हैं उनके द्वारा हमेशा से वीरांगना अवंतीबाई लोधी की उपेक्षा होती रही है।

लॉर्ड डलहौजी भारत में ब्रिटिश राज का गवर्नर जनरल था, लॉर्ड डलहौजी का प्रशासन चलाने का तरीका साम्राज्यवाद से प्रेरित था। उसके काल मे राज्य विस्तार का काम अपने चरम पर था। भारत में लॉर्ड डलहौजी की साम्राज्यवादी नीतियों और उसकी राज्य हड़प नीति की वजह से देश की रियासतों में हल्ला मचा हुआ था। लॉर्ड डलहौजी की राज्य हड़प नीति के अन्तर्गत जिस रियासत का कोई स्वाभाविक बालिग उत्तराधिकारी नहीं होता था, ब्रिटिश सरकार उसे अपने अधीन कर रियासत को ब्रिटिश साम्राज्य में उसका विलय कर लेती थी। इसके अलावा इस हड़प नीति के अंतर्गत डलहौजी ने यह निर्णय लिया कि जिन भारतीय शासकों ने कंपनी के साथ मित्रता की है अथवा जिन शासकों के राज्य ब्रिटिश सरकार के अधीन है और उन शासकों के यदि कोई पुत्र नहीं है तो वह बिना अंग्रेजी हुकूमत कि आज्ञा के किसी को गोद नहीं ले सकता।

सभी देश भक्त राजाओं और जमींदारों ने रानी के साहस और शौर्य की बड़ी सराहना की और उनकी योजनानुसार अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का झंडा खड़ा कर दिया। जगह-जगह गुप्त सभाएं कर देश में सर्वत्र क्रान्ति की ज्वाला फैला दी। इस बीच कुछ विश्वासघाती लोगों की वजह से रानी के प्रमुख सहयोगी नेताओं को अंग्रेजों द्वारा मत्यु-दंड दे दिया गया। रानी इससे काफी दुखी हुई। रानी ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध विद्रोह कर दिया और रानी ने अपने राज्य से कोर्ट ऑफ वार्ड्स के अधिकारियों को भगा दिया और राज्य एवं क्रान्ति की बागडोर अपने हाथों में ले ली। ऐसे में वीरांगना महारानी अवंतीबाई लोधी मध्य भारत की क्रान्ति की प्रमुख नेता के रूप में उभरी।

# क्या सीधे संघर्ष के करीब पहुँच गये अमेरिका और रूस?

**नीरज कुमार दुबे**

14 मार्च, 2023 को एक अमेरिकी ड्रोन रूसी विमान के साथ मुठभेड़ के बाद काला सागर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। आकाश में हुई इस घटना ने जमीन पर दो बड़ी महाशक्तियों अमेरिका और रूस के बीच सीधी भिड़ंत की संभावनाओं और आशंकाओं को बढ़ा दिया है। हम आपको बता दें कि इस सप्ताह अमेरिका का निशस्त्र एमक्यू-9 निगरानी ड्रोन अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में जब उड़ान भर रहा था तब दो रूसी लड़ाकू जेट विमानों ने अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए ड्रोन को मार गिराया। इसके बाद से दोनों देशों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का नया सिलसिला शुरू हो गया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने अमेरिका के आरोपों को गलत बताते हुए कहा है कि अमेरिकी ड्रोन अपने ट्रांसपोंडर के साथ रूस की सीमाओं की दिशा में उड़ रहा था। रूस का कहना है कि उसने उड़ान को संदिग्ध पाया क्योंकि अमेरिकी ड्रोन ने अस्थायी सीमाओं का उल्लंघन किया।

दूसरी ओर, इस घटना को लेकर अमेरिका और रूस की प्रतिक्रियाओं के बीच विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रकरण अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में विमान और ड्रोन संचालित करने के देशों के अधिकार के मुद्दे को गर्माता है। यदि अमेरिकी पक्ष सही है तो रूस ने वास्तव में अमेरिकी ड्रोन के रास्ते में आकर अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया है। हम आपको बता दें कि समुद्र से जुड़े कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के अनुच्छेद 87 के तहत, वह जलक्षेत्र जो किसी भी देश के क्षेत्रीय समुद्र या विशेष आर्थिक क्षेत्र नहीं हैं- वह सभी देशों के लिए खुले हैं और किसी भी देश को इस क्षेत्र में उड़ान भरने की स्वतंत्रता हासिल है। अमेरिका हालांकि 1982 में की गयी इस संधि का पक्ष नहीं है लेकिन रूस सहित 168 देश इसके सदस्य हैं। फिर भी, अमेरिका इस कानून के कई प्रावधानों को मान्यता देता है। इसलिए अमेरिका का मानना है कि उसके अधिकार क्षेत्र में रूस ने सीधे तौर पर हस्तक्षेप किया और यह कृत्य अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन है।

दूसरी तरफ, रूस की चिंता यह है कि अमेरिकी ड्रोन उसके सैन्य अभियानों की जासूसी कर सकता था, इसलिए वह किसी भी कीमत पर कोई नियम मानने को तैयार नहीं है। दरअसल कानून के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र के भीतर रहते हुए दूसरे देश के क्षेत्र के भीतर निगरानी गलत नहीं है। अमेरिका इसी बात का फायदा उठाना चाहता है और रूस ऐसा नहीं होने देने के लिए कमर कस चुका है। वैसे, इस पूरे घटनाक्रम में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि रूस यह मानकर चल रहा है कि वह यूक्रेन में अपने विशेष सैन्य अभियान के लिए नये सिरे से अंतरराष्ट्रीय सीमाएँ स्थापित करने का हकदार था लेकिन अमेरिका ने उन सीमाओं की अवहेलना की। दरअसल रूस ने फरवरी 2022 में काला सागर के उत्तर-पश्चिम भाग में नेविगेशन को प्रतिबंधित करने के लिए समुद्री बहिष्करण क्षेत्र स्थापित किया था। अमेरिका ने भी इराक पर आक्रमण के सिलसिले में 2003 में भूमध्य सागर में एक समुद्री सुरक्षा क्षेत्र स्थापित किया था।

लेकिन इस सबके बावजूद रूस के पास अमेरिकी ड्रोन के खिलाफ बल प्रयोग करने या हस्तक्षेप करने का एक उचित आधार केवल तभी होता जब यह ड्रोन सशस्त्र हमले का एक खतरा पैदा करता या वह किसी लक्ष्य पर हमला करने के लिए भेजा गया होता। वैसे भी यह एमक्यू-9 ड्रोन था जोकि निशस्त्र था।

वैसे यह पहली बार नहीं हुआ है कि किसी देश ने अमेरिकी या अन्य किसी देश के निगरानी विमान की राह में बाधा पहुँचाई है और इसे मार गिराया है। 2001 में एक चीनी लड़ाकू विमान चीन के हैनान द्वीप से 70 मील की दूरी पर उड़ रहे अमेरिकी सिग्नल खुफिया विमान से टकरा गया था। अमेरिकी विमान को इस तरह क्षतिग्रस्त कर दिया गया कि उसे हैनान पर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी थी, जबकि चीनी लड़ाकू विमान खुद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इसके अलावा चीन ने ऑस्ट्रेलियाई और कनाडाई विमानों को भी रोका था जो अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में नियमित निगरानी कर रहे थे।

बहरहाल, अमेरिका इस मुद्दे को लेकर शांत बैठने के मूड में नजर नहीं आ रहा है क्योंकि उसके रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय 'पेंटागन' ने काला सागर के ऊपर अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में अमेरिकी वायु सेना के निगरानी ड्रोन के मार्ग में रूसी लड़ाकू विमान के असुरक्षित तरीके से आने का वीडियो जारी किया है। 42 सेकेंड के इस वीडियो के बारे में पेंटागन ने कहा है कि वीडियो में एक रूसी एसयू-27 अमेरिका के एमक्यू-9 ड्रोन के पीछे की तरफ से आ रहा है और इसके गुजरने पर ईंधन छोड़ना शुरू कर देता है। अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने एमक्यू-9 रीपर को समुद्र में गिरा दिया जब रूसी लड़ाकू विमान ने मानव रहित विमान पर ईंधन डाला जो इसके 'ऑप्टिकल' (नजर रखने संबंधी) उपकरणों को देखने से रोकने और इसे क्षेत्र से बाहर निकालने तथा इसके प्रोपेलर को बाधित करने का स्पष्ट प्रयास था। हालांकि वीडियो का जारी अंश ईंधन डाले जाने को लेकर टकराव के पहले या बाद की घटनाओं को नहीं दिखाता है। इस घटना के तत्काल बाद, अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन और ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल मार्क मिले ने अपने रूसी समकक्षों से बात की। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू और रूसी जनरल स्टाफ के प्रमुख जनरल वालेरी गेरासिमोव के साथ अक्टूबर के बाद पहली बार कॉल की गई। बातचीत के दौरान रूसी रक्षा मंत्री ने अमेरिका पर यूक्रेन में रूस के सैन्य अभियानों के कारण क्रेमलिन द्वारा लगाए गए उड़ान प्रतिबंधों की अनदेखी करके घटना को भड़काने का आरोप लगाया। रूस ने रूसी संघ के हितों के खिलाफ खुफिया गतिविधियों में तेजी लाने का भी आरोप लगाया। वहीं अमेरिका का कहना है कि यह घटना रूस के बढ़ते दुस्साहस को दर्शाती है।

**गांधी आज**

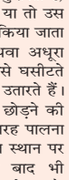

## मरे ढोर

अपना पालतू पशु मर जाने पर उसके हाड़-माँस और चमड़े को काम में लाने के विचार में अनुदारता है, कुछ लोगों की यह धारणा बन गई है। इससे या तो उस पशु के किसी भी अंग का कोई उपयोग नहीं किया जाता या ढेढ़ चमार उसका गलत तरीके पर अथवा अधूरा उपयोग करते हैं। वै उसका माँस खाते हैं, उसे घसीटते हुए ले जाते और उसका चमड़ा खराब करके उतारते हैं। हड्डियाँ भी बेकार पड़ी रहती हैं। यह खयाल छोड़ने की ज़रूरत है। अपने पशु को जीते-जी अच्छी तरह पालना और मरने पर मानपूर्वक उसे उठवाकर उचित स्थान पर पहुँचा देना चाहिए। यह प्राणी मरने के बाद भी अनुपयोगी नहीं होता, यह सोचकर जीवित रहते उसके साथ दया का व्यवहार करने की ज़रूरत है, और जिस प्रकार जीवित रहते उसका उपकार ग्रहण किया उसी प्रकार मरने के बाद भी उसके शरीर का कृतज्ञ बुद्धि से उपयोग करने में बुराई नहीं है। मरे ढोर का उपयोग न किया तो आर्थिक दृष्टि से वह महँगा ही पड़ता है। नतीजा यह होता है कि गाय-भैंस पालना लोगों से चलता नहीं और संपूर्ण गो-पालन-धर्म छूट जाता है। मरे ढोर को घसीटकर ले जाने का रिवाज बुरा है। इससे चमड़ा घिस जाता है और चमड़े की कीमत घट जाती है। उसे या तो उठाकर या गाड़ी में लादकर ले जाना चाहिए। उसका चमड़ा ठीक तरह से उतारकर हड्डी-माँस इत्यादि की खाद बना कर उपयोग करना चाहिए। उसकी आँतों से भी काम की चीजें बनती हैं। इस धंधे में फैलाव को बहुत गुंजाइश है। अत: पढ़े-लिखे लोगों को इसकी विद्या सीख लेनी जरूरी है।

## संक्षिप्त समाचार

### हाई कोर्ट की अनुशंसा पर छत्तीसगढ़ में पदस्थ न्यायाधीश बर्खास्त

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में पदस्थ न्यायाधीश को उच्च न्यायालय की अनुशंसा पर बर्खास्त कर दिया गया है जिसके आधार पर प्रमुख सचिव विधि एवं विधायी कार्य विभाग ने आदेश जारी किए गए है। गणेश राम बर्मन छत्तीसगढ़ उच्चतर न्यायिक सेवा के सदस्य थे। वर्तमान में उनकी पदस्थापना जिला एवं सत्र न्यायाधीश एफटीसी के पद पर जशपुर में थी। उनकी सेवाकाल की जांच कर उच्च न्यायालय ने इनकी सेवा समाप्त करने की अनुशंसा राज्य शासन के विधि एवं विधाई कार्य विभाग को की गई थी। हाईकोर्ट द्वारा की गई अनुशंसा को स्वीकार करते हुए छत्तीसगढ़ उच्चतर न्यायिक सेवा नियम 2006 के नियम 9 (4) के तहत अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश (एफटीसी) जशपुर की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त करने के निर्देश प्रमुख सचिव विधि एवं विधायी कार्य विभाग रामकुमार तिवारी ने जारी किए हैं।

### मधु वेदवान ने 42वीं राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

**रायपुर।** 42वीं राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप गुजरात के एकता नगर में 9 मार्च से 18 मार्च तक आयोजित की गई है। इस प्रतियोगिता में भारतीय रेलवे की ओर से खेलते हुए तीरंदाजी टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। रेलवे की टीम ने कास्य पदक हासिल किया। भारतीय राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप में रेलवे की 22 महिला खिलाडियों में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर की तीरंदाज मधु वेदवान शामिल थी। मधु वेदवान बिलासपुर में मुख्यालय भंडार विभाग में जूनियर क्लर्क के पद कार्यरत है। भारतीय रेलवे के साथ ही दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा हमेशा से खेल एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दिया जाता रहा है । इसी का परिणाम है कि आज इन इस खिलाड़ी ने देश के साथ ही दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का भी नाम रौशन किया है । इसके साथ ही साथ दक्षिण पूर्व रेलवे की अन्य खिलाड़ियों ने भी विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपनी छाप छोड़ी है। भारतीय रेलवे की तीरंदाजी टीम एवं उसमें शामिल दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के खिलाड़ियों को उनके शानदार प्रदर्शन एवं उपलब्धि पर महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे एवं अधिकारियों व साथी खिलाड़ियों/कर्मचारियों ने बधाई दी है।

### नवरात्रि में डोंगरगढ़ मेले के लिए रेलवे ने की स्पेशल व्यवस्था

**रायपुर।** चैत्र नवरात्रि के अवसर पर डोंगरगढ़ मेले के दौरान दर्शनार्थियों के लिए अतिरिक्त सुविधा के लिए रेलवे ने आवश्यक व्यवस्था की है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मां बम्लेश्वरी मंदिरडोंगरगढ़ में चैत्र नवरात्रि पर्व ( 22 मार्च से 30 मार्च तक) मेला में जाने वाले दर्शनार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन ने ट्रेनों का अस्थायी ठहराव एवं कुछ गाड़ियों का विस्तार किया है।उपरोक्त गाड़ियों के डोंगरगढ़ व रायपुर तक अस्थायी विस्तार के साथ ही साथ कुछ दूरगामी एक्सप्रेस ट्रेनों का भी डोंगरगढ़ में 22 मार्च से 30 मार्च तक अस्थायी ठहराव दिया जा रहा है। इसमें 08742 / 08741 गोंदिया-दुर्ग-गोंदिया मेमू पैसेंजर स्पेशल को रायपुर तक विस्तारित की जा रही है। इसी तरह 8 ट्रेनों का 22 मार्च से 30 मार्च तक डोंगरगढ रेलवे स्टेशन में ठहराव दिया गया है।

### समन्वय बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

**रायपुर।** पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर में सीमावर्ती आन्ध्रप्रदेश एवं तेलंगाना राज्यों के साथ अन्तर्राज्यीय समन्वय बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ पुलिस, गृह मंत्रालय भारत सरकार, सीएपीएफ तथा आन्ध्रप्रदेश एवं तेलंगाना राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी सम्मिलित हुए। इस बैठक में आसूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान, संयुक्त अभियानों हेतु फोकस एरिया का निर्धारण, सुरक्षा विहिन क्षेत्रों में रणनीति बढ़त, माओवादियों के सप्लाई नेटवर्क पर कार्यवाही इत्यादि विषयों पर समन्वित कार्ययोजना के संबंध में चर्चा की गई।

### तंबाकू नियंत्रण हेतु कलेक्टर के निर्देश पर त्वरित कार्यवाही

**बीजापुर।** संचालक स्वास्थ्य सेवाए छत्तीसगढ़ द्वारा 17 मार्च 2023 को तंबाकू निषेध अभियान के रूप में मनाये जाने के निर्देश दिये गये थे। जिसके परिपालन में 14 मार्च 2023 को जिला कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार कटारा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक का आयोजन कर जिले में तंबाक2 नियंत्रण हेतु विभिन्न गतिविधियों के आयोजन किये जाने एवं कोटपा एक्ट 2003 के प्रावधानों का उल्लंघन करने वालों पर चालानी कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये। 15 मार्च से 17 मार्च 2023 तक जिले के भोपालपटनम] उसूर] भैरमगढ़ एवं बीजापुर विकासखण्डों में प्रर्वतन दल के माध्यम से कोटपा एक्ट 2003 के प्रावधानों की निगरानी की गई। एवं कानून के प्रावधनों के उल्लंघन पाए जाने पर कुल 136 चालान के माध्यम से 18550 रुपये का जहुर्माना वसूला गया। साथ ही कोटपा एक्ट 2003 के प्रावधानों की भी जानकारी दी गई। ताकि जिले में सार्वजनिक स्थानों पर होने वाले धुम्रपान को रोका जा सके एवं अवैध तंबाकू उत्पादों की बिक्री एवं प्रचार - प्रसार पर रोक लगाया जा सके। जिले में लगातार तंबाकू नियंत्रण की दिशा में प्रयास किये जा रहें है ताकि जिले के आमजनों एवं बच्चों को तंबाकू के हानिकारक प्रभावों से बचाया जा सके। इसी तारतम्य में जिले के शैक्षणिक संस्थाओं में भी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को जागरुक करने का प्रयास भी किया जा रहा है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा शिक्षा विभाग के संयुक्त प्रयास के माध्यम से जिले में वर्तमान में कुल 120 शैक्षणिक संस्थाओं को तंबाक2 मुक्त शैक्षणिक संस्थान घोषित भी किया जा चुका है।

# पत्रकारों के हित और उनकी सुरक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ हो रहे कार्य: मुख्यमंत्री

## राजधानी में आयोजित इंडियन जर्नलिस्ट यूनियन के सम्मेलन में शामिल हुए मुख्यमंत्री

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ के तत्वाधान में रायपुर के जोरा स्थित पंजाब केसरी भवन में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने इस मौके आयोजकों की ओर से पर पत्रकारों को पुरोधा पत्रकारिता सम्मान से सम्मानित किया। इनमें रायपुर के अलावा बस्तर, सरगुजा, रायपुर तथा दुर्ग संभाग के पत्रकार भी सम्मानित हुए। इस अवसर पर प्रदेश में पत्रकारों के हित में छत्तीसगढ़ मीडियाकर्मी सुरक्षा विधेयक संबंधी अहम निर्णय पर मुख्यमंत्री श्री बघेल का पत्रकार कल्याण संघ की ओर से अभूतपूर्व स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया गया। इंडियन जर्नलिस्ट यूनियन की छत्तीसगढ़ इकाई द्वारा यह दो दिवसीय आयोजन राजधानी रायपुर में 18 मार्च तक किया गया है। मुख्यमंत्री श्री बघेल

ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इंडियन जर्नलिस्ट यूनियन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन छत्तीसगढ़ में हो रहा है, यह बहुत ही गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में संप्रेषण के प्लेटफार्म में बढ़ोत्तरी होने के साथ पत्रकारिता के क्षेत्र में अनेक चुनौतियां भी बढ़ी हैं। सबसे बड़ी चुनौती तो यही है कि पत्रकारिता के मूल्य को कैसे बचाए रखा जाए। मुझे बताया गया है कि इस आयोजन में देश भर के पत्रकार शामिल हो रहें है। इसलिए मेरी उम्मीद है कि सम्मेलन में इस विषय पर गहन विमर्श होगा और पत्रकारिता तथा पत्रकारों के हित में व्यापक निर्णय लिए जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने बताया कि आज ही मंत्रिपरिषद की बैठक में हमारी सरकार ने प्रदेश में पत्रकार सुरक्षा कानून लाने के संबंध में निर्णय लिया गया है। हमारी सरकार प्रदेश में प्रेस की स्वतंत्रता के लिए कृत संकल्पित है और उसके लिए हमने शासन में आते ही क्रियान्वयन प्रारंभ कर दिया है। इसी तरह हमारे पत्रकार साथियों के स्वयं के मकान पर सपना पूरा हो सके, इसके लिए इस साल के बजट में हमने पत्रकारों के लिए गृह निर्माण ऋण ब्याज अनुदान योजना लागू करने के लिए 50 लाख रूपए का प्रावधान किया है। इस तरह प्रदेश में पत्रकारिता के सभी माध्यमों में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार श्री आशिफ इकबाल ने की। मंच का संचालन पत्रकार श्री वी. डी. निजामी ने किया और आभार प्रदर्शन कोरबा के श्री गेंद लाल शुक्ला ने किया। मुख्यमंत्री का स्वागत बिलासपुर के श्री महेश कुमार तिवारी तथा श्री विनोद श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। मुख्यमंत्री के साथ पत्रकार श्री अभिषेक शर्मा मौजूद रहे ।

## औसतन 90 हजार रू. प्रदेश के प्रत्येक बेरोजगार युवा के कर्जदार है पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, कब चुकाएंगे बताएं भाजपा अध्यक्ष सावः जयंत

**दुर्ग।** सन 2003 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के घोषणा पत्र में प्रत्येक बेरोजगार युवा को 500 रुपये मासिक बेरोजगारी भत्ता देने का वायदा किया गया था, जो सन 2003 से लेकर 2018 तक 15 साल तक लगातार 3 पंचवर्षीय कार्यकाल डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में रहने वाली भाजपा सरकार द्वारा आज तक प्रदान नहीं किया गया। जो युवा 2018 में बेरोजगारी भत्ता के लिए पात्र था, आज 15 साल बाद वो अपात्र हो गये क्योंकि उसकी आयु 35 से 40 वर्ष के पार हो चुकी है, यह सिर्फ इसलिए कि दुर्भाग्य से उसने वायदा खिलाफी करने वाली भाजपा सरकार को वोट दे दिया था। दुर्ग जिला ग्रामीण युवा कांग्रेस अध्यक्ष जयंत देशमुख ने कहा कि आज भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव व रमन सिंह प्रदेश के द्वारा जन हितैषी कांग्रेस सरकार व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा प्रत्येक बेरोजगार युवा को 2500 दिए जाने पर विरोध कर रहे है व सवाल सवाल उठा रहे हैं, किसी भी संशय व प्रश्न के पूर्व अपनी 15 साल की भ्रष्ट व किसानों को बोनस व युवाओ को बेरोजगारी भत्ता के नाम पर वायदा खिलाफी करने वाले भाजपा नेताओं व मुख्यमंत्री रमन सिंह से सवाल पूछना चाहिए, की एक पात्र युवा जिसे 500 प्रतिमाह मिलना चाहिए था उसे 15 साल में 90 हजार रुपए मिलते, जिसका भुगतान रमन सिंह जी आज तक नहीं किया हैं। आज जब देश की गिरती जीडीपी के बाद भी छत्तीसगढ़ विकास की नई उच्चाईयां छू रहा है और देश भर में विकास का रोल मॉडल बन चुका है, और लाखो स्थानीय युवाओ को बेरोजगारी भत्ता जो की 2500 रू. देने जा रही है, तो भाजपाईयों के पेट मे दर्द क्यों हो रहा है, वे अपने चाल चरित्र के अनुसार प्रदेशवासियों को भ्रमित कर सरकार के खिलाफ उकसा रहे हैं।

लेकिन जब जब जनता उनके किये वादे याद दिलाती है, तब गायब हो जाते हैं। विषय विपरीत बात करते हैं, धर्म जाती विशेष पर उन्माद करने का प्रयब करते है। अतः भाजपाइयों व अरुण साव को पहले अपने नेता रमन सिंह से जवाब मांगना चाहिए कि औसतन 90 हजार रुपये जो उन्हें प्रदेश के युवाओ को चुकाने हैं, उसका भुगतान कब कब तक होगा। अन्यथा ये समझ लिया जाना चाहिए कि भाजपा ने फिर जनता के साथ वायदाखिलाफी करके एक और झूठ बोलकर 15 साल अंजाम दिया, और ऐसे लोगो को संवेदनशील कांग्रेस सरकार व मुखिया भूपेश बघेल से बेरोजगारी भत्ते पर प्रश्न पूछने का कोई अधिकार नही बनता।

## जोरातराई एडवेंचर पार्क जिले के नये पर्यटन केन्द्र के रूप में हो रहा विकसित

**राजनांदगांव।** जोरातराई एडवेंचर पार्क जिले के नये पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित हो रहा है। वन चेतना केन्द्र मनगटा के समीप स्थित जलाशय का लेक व्यू एवं प्राकृतिक सौंदर्य रमणीय है। एक ही स्थान पर एडवेंचर कैम्पिंग, बॉटिंग, क्रिकेट कोर्ट, वालीबॉल कोर्ट एवं रिसोर्ट, खनिज पाठशाला व स्टोन म्यूजियम रहेगा। यहां शीघ्र ही नागरिक परिवार सहित जाकर आनंद ले सकेंगे। कलेक्टर श्री डोमन सिंह ने बेहतरीन नवाचार करते हुए जोरातराई एडवेंचर पार्क की परिकल्पना की। कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिला पंचायत सीईओ श्री अमित कुमार एवं उनकी टीम द्वारा जोरातराई एडवेंचर पार्क को मूर्त स्वरूप प्रदान करने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज कलेक्टर श्री सिंह ने आज जोरातराई एडवेंचर पार्क में ट्रायल रन किया एवं वहां की तैयारियों का जायजा लिया। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जिलेवासियों को एक खूबसूरत पर्यटन स्थल मिलेगा। साथ ही एक ही स्थान पर बोटिंग, कैम्पिंग सहित अन्य गतिविधियां संचालित की जा रही है।

# सांसद साय ने सड़क निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करने के दिए सख्त निर्देश

**जशपुरनगर।** रायगढ़ लोकसभा सांसद श्रीमती गोमती साय की अध्यक्षता में आज कलेक्टरेट सभाकक्ष में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति दिशा की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रायमुनी भगत , कलेक्टर डॉ रवि मित्तल पुलिस अधीक्षक श्री डी रविशंकर जिला पंचायत सीईओ श्री जीतेन्द्र यादव और सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। सांसद श्रीमती गोमती साय ने दिशा की बैठक में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, खनिज क्षेत्र कल्याण योजना, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा करते हुए विस्तार से समीक्षा की । उन्होंने जशपुर के सड़क निर्माण कार्य को गंभीरता से करने के निर्देश राष्ट्रीय राजमार्ग,लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना विभाग के अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें इसमें किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा लोगों के आवागमन की सुविधा के लिए सड़क निर्माण को पूरा करना बेहद जरूरी है। सांसद श्रीमती गोमती साय ने कहा कि गर्मी मौसम को देखते हुए पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिन गांवों में पेयजल आपूर्ति की आवश्यकता वहां पर पानी की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। और खराब बोर को ठीक करके चालू करने के सख्त निर्देश दिए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को लाभ पहुंचाने की बात कही। जशपुर जिला के युवाओं को कौशल विकास योजना के तहत रोजगार उपलब्ध कराने के लिए कहा । उन्होंने कहा कि युवाओं को उनकी रुचि के अनुसार और काम की डिमांड के आधार पर प्रशिक्षण की व्यवस्था करवाएं ताकि अधिक से अधिक बच्चों को रोजगार मिल सके।

# 1 अप्रैल से नहीं लिया जाएगा गीला व सूखा कचरा मिक्स

- सभी खाली भूखण्डों के स्वामी बाउंड्रीवाल बनाए

**रायपुर।** निगम आयुक्त मयंक चतुर्वेदी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं ठेकेदारों की बैठक ली। इसमें अपर आयुक्त अभिषेक अग्रवाल, सुनील चंद्रवंशी, अरविंद शर्मा, शैलेन्द्र पाटले, उपायुक्त स्वास्थ्य ए. के. हालदार, सभी जोन स्वास्थ्य अधिकारी भी शामिल हुए। आयुक्त ने कहा कि अभी भी विभिन्न स्थानों से गीला व सूखा कचरा मिक्स लिया जा रहा है। अब यह अनिवार्य रूप से स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के मानकों के अनुरूप पूरी तरह बंद होना चाहिए। और 1 अप्रैल से न सभी 70 वार्डों से सूखा एवं गीला कचरा आवासीय एवं व्यवसायिक क्षेत्रों से अनिवार्य रूप से पृथक- पृथक ही लिया जाए। गीला एवं सूखा कचरा पृथक-पृथक नहीं देने की स्थिति बनी रहने पर संबंधित आवासीय, व्यावसायिक क्षेत्रों में नियमानुसार कडी कार्यवाही की जाये। इस मामले में कोई भी लापरवाही कदापि सहन नहीं की जायेगी। आयुक्त ने निगम क्षेत्र में खाली भूखण्डों में कचरा डालकर गंदगी फैलाये जाने की लगातार बढ़ रही प्रवृत्ति पर कारगर नियंत्रण के लिए सभी संबंधित खाली भूखण्डों के स्वामियों को जानकारी लेकर नोटिस भेजकर उन्हें बाउंड्रीवाल बनवाने निर्देषित किया जाए। ताकि खाली भूखण्ड में कोई भी कचरा ना डाल सके। आयुक्त ने बैठक में सभी जोन स्वास्थ्य अधिकारियों को अपने-अपने जोन के सभी वार्डों में निरीक्षण सर्वे कर नालियों के भीतर जाने वाली पाईप लाईनों के संबंध में अगले एक सप्ताह के भीतर जानकारी लोकेशन सहित अनिवार्य रूप से देने निर्देषित किया है ताकि जलविभाग के माध्यम से नालियों के भीतर जा रही पाईप लाईनों की शिफ्टिंग करवायी जा सके। जिन नालियों में जालियां लगवायी गयी है, वहां व्यवस्थित रूप से सफाई करवाना सभी जोन स्वास्थ्य अधिकारी सुनिष्चित करें, ताकि जालियों में कचरा व गंदगी न अटके।

# भक्त माता कर्मा जयंती पर पुष्प अर्पित कर मुख्यमंत्री ने किया नमन

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज यहाँ अपने निवास कार्यालय में भक्त माता कर्मा जयंती पर उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया । उन्होंने प्रदेशवासियों को भक्त माता कर्मा जयंती की बधाई एवँ शुभकामनाएं दी तथा माता कर्मा से प्रदेशवासियों के लिए सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की । इस अवसर पर गृह मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू, उद्योग मंत्री श्री कवासी लखमा, महिला एवँ बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंडिया, छत्तीसगढ़ तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री संदीप साहू, लोकगायिका सुश्री आरु साहू भी उपस्थित थीं । मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भक्त माता कर्मा जयंती का पर्व बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इस अवसर पर साहू समाज द्वारा विशेष रूप से अन्य समाजों के साथ शोभा यात्रा और कलश यात्रा निकाली जाती है और धार्मिक-सामाजिक आयोजन भी होते हैं। उन्होंने कहा कि भक्तों की आस्था का सम्मान करते हुए राज्य सरकार ने भक्त माता कर्मा जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है।

# परिषद की बैठक में 95.75 करोड़ की वार्षिक कार्ययोजना का अनुमोदन

**बिलासपुर।** जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) के अंतर्गत जिले में वर्ष 2023 - 24 में 95. 75 करोड़ रुपए के विकास कार्य किए जायेंगे। कलेक्टर सौरभकुमार की अध्यक्षता में आयोजित डीएमएफ के शासी निकाय की बैठक में आज उक्त राशि के 239 कार्य प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। इनमें मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा भेंट मुलाकात सहित अन्य अवसरों पर जिले के विकास के लिए की गई घोषणाएं भी शामिल की गई हैं। मंथन सभाकक्ष में आयोजित बैठक में संसदीय सचिव श्रीमती रश्मि आशीष सिंह, विधायक श्री धरमलाल कौशिक, डॉ.कृष्णमूर्ति बांधी, श्री शैलेश पांडे, श्री रजनीश सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अरूण चौहान, महापौर श्री रामशरण यादव सहित सांसद प्रतिनिधि एवम् जिला स्तरीय अधिकारी शामिल थे।शासी परिषद की आज की अहम बैठक में नगोई एवं गनियारी में गारमेंट्स सिलाई फैक्ट्री की स्थापना के लिए लगभग साढ़े 10 करोड़ राशि की स्वीकृति प्रदान की गई। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने भेंट मुलाकात अभियान में महिलाओं की मांग पर इसकी घोषणा की थी। बिहान की महिला स्व सहायता समूह इसका संचालन करेंगी। दंतेवाड़ा की सफल डेनेक्स ब्रांड की तर्ज पर इनका कारोबार चलेगा। इसके अलावा बैठक में मुंगेली रोड पर कलेक्टोरेट और जिला न्यायालय के बीच फूट ओवर ब्रिज का भी निर्माण किया जायेगा। स्मार्ट सिटी लिमिटेड बिलासपुर को इस काम के लिए 78 लाख रुपए की मंजूरी दी गई है। इसके निर्माण से लोग सुरक्षित तरीके से कोर्ट और कलेक्टोरेट आ जा सकेंगे। दुर्घटना की आशंका नहीं रहेगी। मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप तोरवा छठघाट में टेलरिंग शेड निर्माण के लिए 3 करोड़ 32 लाख दिए गए हैं। बिलासपुर शहर में अंग्रेजी माध्यम की स्वामी आत्मानंद कॉलेज के लिए 5 करोड़ की राशि का प्रावधान किया गया है। शहर के मध्य पुराने हाईकोर्ट भवन में इसका निर्माण किया जायेगा।

# युवाओं को मिल रहे हैं रोजगार के बड़े अवसर

## दंतेवाड़ा में आयोजित रोजगार मेले में 430 युवाओं का हुआ चयन

**रायपुर।** मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के माध्यम से अपने मनपसंद काम में प्रशिक्षण पाकर युवा अपना कैरियर बना रहे हैं। प्रदेश के 18 से 45 आयुवर्ग के युवक-युवतियां जो जिस टेडेड में रूचि रखते हैं, उन्हें नि:शुल्क प्रशिक्षण देने के साथ ही, उन्हें प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। इसके अलावा स्व-रोजगार के माध्यम से भी युवा अपने सपनों को पूरा कर रहे हैं। जशपुर जिले के पत्थलगांव विकासखंड में मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत 21 युवक-युवतियों को रोजगार मिला, तो वहीं दंतेवाड़ा जिले में लाइवलीहुड कॉलेज में आयोजित रोजगार मेले में 430 लोगों का प्रारंभिक तौर पर चयन किया गया है।

जशपुर जिले के पत्थलगांव विकासखंड में मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत् 08 माह की अवधि का सफलतापूर्वक फायर फाइटर कोर्स पूर्ण

करने वाले 21 युवक-युवतियों को जी.फोर.एस. सिक्योरिटी कम्पनी में रोजगार के लिए चयन किया गया है। जहाँ उन्हें पीएफ, ई.एस.आई.सी. की सुविधा के साथ 13 हजार 500 रूपए प्रतिमाह वेतन भी दिया जाएगा। इसी तरह दंतेवाड़ा जिला प्रशासन के द्वारा बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने के उद्देश्य से विकासखंड गीदम अंतर्गत कारली में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। 755 विभिन्न पदों के लिए आयोजित इस रोजगार मेले में 1110 युवाओं ने भाग लिया। 15 कंपनियों ने मौके पर ही 430 युवाओं का प्रारंभिक तौर पर चयन कर लिया, बाकी की प्रक्रिया चल रही है।

इस रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की कई प्रतिष्ठित कम्पनियां जैसे- प्रताप टेलीकास्ट प्राईवेट लिमिटेड, बाम्बे इनटेलिजेंस सिक्योरिटी लिमिटेड, शिषलता फाइंड दक्ष मैत्री गार्डन चौंक भिलाई, वेक्टर फाइनेंस प्राईवेट लिमिटेड, विकास अधिकारी एल.आई.सी., फ्युजन माईक्रो फाइनेंस लिमिटेड,भारतीय पेल्समेंट सर्विस कैपिटल प्लाजा, डेनैक्स(नवा दन्तेवाड़ा गारमेंट फैक्ट्री), बी.एस.के. सर्विस, बस्तर मोटर्स टी.वी.एस. शो रूम, जय माता दी मेन रोड तहसील कार्यालय के बाजू अनिल जायसवाल एसकेवाय ऑटोमोबाईल, सिंद्ध फेब्रीकेशन, कार्यपालन अभियंता (विद्युत विभाग) सीएसपीडीसीएल दन्तेवाड़ा, अनाविका रेस्टोरेंट आदि कंपनियों में टेक्नीशियन, सुरक्षाकर्मी, सिलाई ऑपरेटर, मैनेजर, ड्राइवर, मकैनिक, कंप्यूटर ऑपरेटर, डाटा एंट्री ऑपरेटर, अकाउंटेंट, ब्रांच मैनेजर एवं अन्य पदों के लिए भर्ती की जा रही हैं। जिसमें 430 लोगों का चयन किया गया है। चयन पाकर उत्साहित युवाओं ने मुख्यमंत्री सहित शासन-प्रशासन को धन्यवाद दिया है।

## राजधानी में आज धर्म संसद का आयोजन

**रायपुर।** हिंदू राष्ट्र की संकल्पना को लेकर छत्तीसगढ़ में एक महीने से चल रही संतों की पदयात्रा का समापन 17 मार्च को हो गया। विभिन्न स्थानों से पहुंचे संतों का राजधानी में स्वागत किया गया। यात्रा के समापन के बाद राजधानी में 19 मार्च को धर्म संसद का आयोजन किया गया है। संत समाज के सदस्य दलितों के घर हरि भोजन भी करेंगे। आयोजकों का कहना है कि हरि भोजन का उद्देश्य सामाजिक समरसता का विस्तार करना है। इस यात्रा के दौरान कई पड़ाव पर संतों ने हरि भोजन किया, जिसका उद्देश्य जात-पात और ऊंच-नीच का भेदभाव को खत्म करते हुए सनातन धर्म और हिंदुत्व विचारधारा को प्रचारित करना था। राजधानी में संतों की पदयात्रा पहुंचने के बाद विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना की गई। मां महामाया यात्रा में शामिल संतों ने मां बंजारी धाम पहुंचकर मत्था टेका। दल में बड़ी संख्या में लोगों का हुजूम शामिल रहा।

## मोहन मरकाम के नए तेवर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने विधानसभा के अंदर अपनी ही सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप जड़कर सुर्ख़ियों में आ गए हैं। मोहन मरकाम के नए तेवर को सत्ता और संगठन में विस्फोट के रूप में देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि मरकाम के नए रुख से सत्ता और संगठनके बीच चल रही अंदरूनी लड़ाई सार्वजनिक हो गई। विधानसभा चुनाव के आठ महीने पहले संगठन में बदलाव की खबरों और कांग्रेस के महाधिवेशन में अपनी उपेक्षा से व्यथित मरकाम विधानसभा में अपनी ही सरकार पर तलवार चला दिया। कहते हैं राजधानी स्तर पर सत्ता और संगठन पर टकराव तो है ही, अपने संभाग में पार्टी के एक नेता से उनका छत्तीस का आंकड़ा है। ये नेता राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी हैं। कहा जा रहा है मरकाम ने राष्ट्रीय स्तर के नेता के रिश्तेदारों पर निशाना साधकर वार तो उन्हीं पर ही किया है। समझने वाले तो समझ ही जाते हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय महाधिवेशन के दौरान एक पक्ष ने मरकाम जी के करीबी एक पदाधिकारी पर निशाना साधा था। अब देखते हैं कांग्रेस की नई लड़ाई आगे क्या रूप लेती है ? कहा जा रहा है कि मोहन मरकाम को इन दिनों प्रदेश के दो नेताओं का वरदहस्त है।

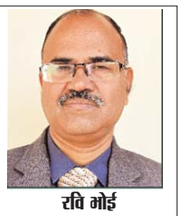



कही-सुनी



रवि भोई

## भाजपा में नया गठजोड़



छत्तीसगढ़ भाजपा में आदिवासी और ओबीसी नेताओं में गठजोड़ की खबर है। कहते है 15 मार्च के आंदोलन में यह गठजोड़ नजर भी आया। पीएम आवास को लेकर भूपेश सरकार को घेरने के आंदोलन में प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने तो मेहनत की ही, कुछ और आदिवासी और ओबीसी नेताओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। कहा जा रहा है अब तक के आंदोलनों में आगे रहने वाले नेता परदे में रहे। इस आंदोलन में अरुण साव छत्तीसगढ़ी में भाषण देकर नई छाप छोड़ी तो आंदोलन की सफलता के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी उनकी पीठ थपथपा दी । इस आंदोलन के बाद राज्य के आदिवासी नेताओं को वजन देने की बात भी चल पड़ी है। अभी भाजपा में प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष दोनों ही ओबीसी वर्ग से है। चर्चा है कि आने वाले समय में भाजपा के आदिवासी नेताओं में रामविचार नेताम, नंदकुमार साय, विक्रम उसेंडी और केदार कश्यप का कद बढ़ सकता है।

## साय के बाल की बलि पर सवाल ?

भाजपा नेता रामविचार नेताम ने सत्ता के लिए जोश-जोश में नंदकुमार साय का बाल दांव पर लगा दिया या फिर जानबूझकर ऐसा किया, यह चर्चा का विषय है। रामविचार नेताम और नंदकुमार साय दोनों ही भाजपा के आदिवासी नेता हैं और दोनों ही सरगुजा संभाग से ताल्लुक रखते हैं। दोनों ही राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी रह चुके हैं। रामविचार नेताम संगठन में तो नंदकुमार साय संवैधानिक पद पर रहे। नंदकुमार साय काफी सालों से लंबे बाल रख रहे हैं। कहते हैं सत्ता के लिए उनके बालों को दांव पर लगाए जाने से नंदकुमार साय खुश नहीं हैं। लोग भी कह रहे हैं नेताम जी ने अपना कुछ दांव पर लगाने की जगह साय जी के बाल पर चाल क्यों चली ? जोगी शासनकाल में दिलीपसिंह जूदेव ने तो अपने मूछों पर दांव लगाया था। रामविचार नेताम के दांव पर मंत्री अमरजीत भगत ने पलटवार कर दिया है , पर इस दांव से भाजपा के भीतर ही कोलाहल मचा है।

## ईडी के अगले कदम का इंतजार

कहा जा रहा है कि ईडी फिलहाल नेताओं पर सख्त कार्रवाई नहीं करेगी। नेताओं से पूछताछ कर जानकारियां इकट्ठी की जाएगी। चर्चा है कि जून-जुलाई में नेता निशाने पर आएंगे। तब कुछ नेताओं की गिरफ्तारी भी हो सकती है। खबर है कि तब तक ईडी अपनी जाँच को अफसरों के आसपास ही केंद्रित करके रखेगी। फ़रवरी में ईडी ने कांग्रेस के दो विधायक और कुछ नेताओं के यहां छापे की कार्रवाई कर कुछ जानकारियां जुटाई थी। इसके बाद मार्च में उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया। कहा जा रहा है कि ईडी को कृषि विभाग में खरीदी और सप्लाई में गड़बड़ी की शिकायत मिली है। शिकायत को अभी तक जाँच में नहीं लिया है। जाँच के बाद ही मामला आगे बढ़ेगा। चर्चा है कि ईडी के पास जाँच पड़ताल की लंबी सूची है। माना जा रहा है कि एक्शन की जगह ईडी एकाध महीने सबूत जुटाने और रणनीति बनाने में ज्यादा दिमाग लगा सकती है, पर लोगों को ईडी के अगले कदम का इंतजार है।

## छोटे-बड़े जिले का खेल

कहते हैं एक जिले के पुलिस कप्तान साहब कमाऊ जिले में जाना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने जुगाड़ भी बैठा दिया था। लेकिन ईडी ने खेल बिगड़ दिया। ईडी के भय से उनकी सिफारिश करने वाला अदृश्य हो गया और उन्हें छोटे जिले से ही संतोष करना पड़ा। साहब पहले भी एकाध जिले की कप्तानी कर चुके हैं, ज्यादा दिन चल नहीं पाए। इस कारण अच्छा जिला चाहते थे। कहते हैं साहब छोटे जिले में भी अच्छा खेल कर रहे हैं। पड़ोसी राज्य से जुड़े जिले होने के कारण साहब की मुराद पूरी हो रही है।

## प्रशासनिक सर्जरी की हलचल

कहा जा रहा है विधानसभा सत्र निपटने के बाद छोटा-मोटा प्रशासनिक सर्जरी हो सकता है। इसमें एक-दो जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ इधर से उधर हो सकते हैं। माना जा रहा है कि जून-जुलाई में 2023 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस की सरकार जिलों में अफसरों की पोस्टिंग करेगी। कई अफसर अलग -अलग जिले में रहकर फील्ड में लंबा समय बिता चुके हैं। लंबे से फील्ड में तैनात अफसरों को सरकार इधर-उधर पदस्थ कर देगी, नहीं चुनाव आयोग का डंडा चल जाएगा।

**रायपुर।** पूर्वानुमान के अनुसार शनिवार दोपहर 12 बजे अचानक राजधानी में मौसम का मिजाज बदला और कुछ ही देर में आसमान पर छाये काले बादल बरसने लगे। तेज हवाओं के बीच बारिश ने मौसम खुशनुमा बना दिया। इससे पहले काफी देर तक तेज अंधड़ भी चलते रहा। प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी बारिश की खबर है,कुछ जगहों पर ओलावृष्टि हुई है।मौसम विभाग की माने तो कल तक मौसम ऐसे ही रहने के आसार हैं।

## कांकेर में शिमला जैसा नजारा

**कांकेर।** कांकेर जिले में ओलावृष्टि से शिमला जैसा नजारा देखने को मिल रहा है. अचानक हुई ओलावृष्टि से सफेद बर्फ की चादर बिछ गई है. कांकेर से धमतरी जाने वाले मार्ग में राजाराव पठार के पास नेशनल हाइवे के किनारे लगे जंगलों को बर्फ ने पूरी तरह से ढक लिया है. ऐसा नजारा देख राहगीरों ने भी इसका खूब लुत्फ उठाया. रुक-रुक कर राहगीर इस नजारे का वीडियो और फोटो लेने लगे.कई जिलों में तेज बारिश- प्रदेश के कई जिलों में हो रही तेज बारिश के साथ कांकेर जिले के कई इलाकों में गरज चमक के साथ ओलावृष्टि हो रही है. मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया था कि 15 से 20 मार्च तक बारिश के साथ ओलावृष्टि होगी. तेज बारिश को देखते हुए मौसम विभाग ने फिर एक बार प्रदेश के कई जिलों को अलर्ट जारी किया है।

# निगम किसी एक ऐसी योजना का नाम बताएं जो फायदे में हो - भाजपा

**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी के नेता और रायपुर नगर निगम के पूर्व सभापति द्वय संजय श्रीवास्तव व प्रफुल्ल विश्वकर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ को कर्ज के दलदल में धसा चुके राज्य सरकार और उनके निकाय का पेट नहीं भरा है जो जनता को लूटने के लिए नई नई योजनाएं ईजाद कर रहे हैं ।

पूर्व सभापति द्वय संजय श्रीवास्तव व प्रफुल्ल विश्वकर्मा ने रायपुर नगर निगम द्वारा 200 करोड़ रुपए के ग्रीन बॉन्ड जारी करने का प्रस्ताव पर कहा कि जो नगर निगम पहले ही कर्ज़ों के बोझ तले दबा हुआ है, जो निगम अपने कर्मचारियों को वेतन देने के लिए राज्य सरकार की मोहताज हो, उसकी इस योजना की विश्वसनीयता क्या होगी यह जनता समझ नहीं पा रही है। उन्होंने कहा कि अपनी विश्वसनीयता खो चुका नगर निगम यदि कायदे से शहर में प्रॉपर्टी टैक्स की वसूली करे, अपने बेतरतीब बने संपत्ति की व्यवस्थित ढंग से बिक्री करें। तो निगम की स्थिति कुछ सुधर सकती है। उन्होंने कहा कि कितनी हास्यास्पद बात है कि निगम के अधिकारी और जिम्मेदार पदाधिकारी यह तय नहीं किए हैं कि जनता से जुटाए पैसे कहां लगाए जाएंगे और बिना योजना बनाएं इसे एमआईसी में पास भी कर दिए। जबकि वह अच्छे से जानते हैं कि बांड के पैसों पर जनता को ब्याज भी देना पड़ेगा और समय आने पर उसे वापस भी लौटाना पड़ेगा। भाजपा नेता द्वय संजय श्रीवास्तव व प्रफुल्ल विश्वकर्मा ने कहा कि कांग्रेस शासन में प्रदेश के सभी निकायों की स्थिति एक ही जैसी बदहाल है। उन्होंने कहा कि निगम बांड 3,5,7 और 10 साल के लिए जारी करेंगे और महापौर जानते हैं कि जो पैसे आज वह जनता से जुटाएंगे उन्हें तो वह पैसे लौटाने नहीं है। इसलिए ऐसी योजना लाने में उन्हें संकोच नहीं है। नेता द्वय ने कहा की जनता जानना चाहती है कि निगम में जहां पिछले 13 वर्षों से अधिक समय तक कांग्रेस की सत्ता है। किसी एक ऐसी योजना का नाम बताएं जो फायदे में हो। वर्तमान नगर निगम के कार्यकाल में स्मार्ट सिटी के पैसे से 5 करोड़ के फव्वारे, चौराहा सौंदर्यीकरण, चहेतो को काम देने के लिए टुकड़ों में निविदा आवंटन जैसे भारी भ्रष्टाचार के मामलों का कहीं और उदाहरण नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने के नाम पर भवन-भूमि नियमितीकरण के नाम पर लूट मचा रखी है। इस नियमितीकरण की आड़ में प्रदेश के कांग्रेसी महापौर और नपा-नपं अध्यक्षों ने सभी निर्माण को अवैध बताकर नियमित करने का नोटिस जारी कर दिया और निकाय के अधिकारियों और निकाय के कांग्रेसी पदाधिकारियों ने डरा धमकाकर लोगों से बेजा कमाई का जरिया बना लिया है। पूर्व सभापति द्वय संजय श्रीवास्तव व प्रफुल्ल विश्वकर्मा ने कहा कि प्रदेश की पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के कार्यकाल में नगर निकायों के अर्थतंत्र को मजबूती देने के ठोस इंतजाम कर उन्हें पर्याप्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराए गए थे। उन्होंने कहा कि राजधानी रायपुर में कोई भी योजना क्रियान्वयन से पहले ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती है, ऐसी स्थिति में नगर निगम की ग्रीन बांड योजना संदिग्ध है।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

## कांग्रेस ने राज्य की नई नक्सल नीति का स्वागत किया

**रायपुर।** कांग्रेस ने राज्य मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित नई नक्सल नीति का स्वागत किया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भूपेश सरकार ने राज्य में नक्सलवाद के उन्मूलन तथा शांति की बहाली के लिये ठोस प्रयास किये। अब नक्सल प्रभावितो तथा सुरक्षा बलो के जवानों और जनसामान्य को नक्सल नीति से राहत देने का विशेष प्रावधान होने पर सरकार के प्रति सभी का भरोसा बढ़ेगा तथा राज्य में शांति बहाली की गति में तेजी आयेगी साथ ही सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक और सामरिक रूप से भी नक्सलवादियों का मुकाबला संभव हो पायेगा। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश सरकार के द्वारा नक्सलवाद को खत्म करने चलाई जा रही विश्वास विकास और सुरक्षा के नीति स्पष्ट दबाव नक्सलियों के ऊपर दिख रहे हैं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्य कराए जा रहे हैं शिक्षा का प्रकाश फैलाया जा रहा है रोजगार दिया जा रहा है उनके कानूनी अधिकार दिए जा रहे हैं और सुरक्षा दी जा रही है जिसके चलते आज नक्सलियों की कमर टूटी है सुरक्षा में लगे जवानों नक्सलियों के गोली का जवाब गोली से दे रहे हैं नक्सलियों को पीछे खदेड़ हैं और सरकार की नीतियों का स्पष्ट दबाव नक्सलियों पर दिख रहे हैं।

## प्रधानमंत्री आवास के 7 लाख आवेदन का दावा करने वाली भाजपा 7 आवेदन भी नहीं दे पाई

**रायपुर।** प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि ओम माथुर, नवीन नितिन, रमन सिंह, अरुण साव विधानसभा घेराव के पहले जो प्रदेश के 16 लाख हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिलने का दावा कर रहे थे और भाजपा के पास 7 लाख आवेदन आने की बात कर रहे थे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जब भाजपा से पीएम आवास के आवेदन मांगे और उक्त आवेदन की भौतिक सत्यापन कराकर पीएम आवास योजना का लाभ दिलाने की घोषणा की तो आवेदनों की भौतिक सत्यापन कराने की घोषणा के बाद बड़े-बड़े दावा करने वाले भाजपा नेताओं की बोलती बंद हो गई। क्योकि भौतिक सत्यापन होने से भाजपा की झूठ प्रपंच पकड़ी जाती और पोल खुलने के डर से 7 लाख आवेदन का दावा करने वाली भाजपा आंदोलन के दिन राज्य सरकार को 7 आवेदन भी नही दिया। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा के शासनकाल में मात्र 2 लाख 37 हजार प्रधानमंत्री आवास बनाये गये थे।भाजपा बतायें जब आज 2011 और 2016 की सर्वे सूची में 16 लाख पात्र होने का दावा कर रही है? तो रमन सरकार ने मात्र 2 लाख 56 हजार शहरी और ग्रामीण आवास ही क्यो बनाये? तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने अपने अंतिम बजट भाषण में विधानसभा में यह माना था कि उनकी सरकार ने मात्र 2,37,000 प्रधानमंत्री आवास ही बनाए थे तथा शहरी क्षेत्र में मात्र 19,000 मकान ही बनाये गये थे।

## पत्रकार सुरक्षा कानून से लोकतंत्र मजबूत होगा-कांग्रेस

**रायपुर।** मीडिया कर्मी सुरक्षा विधेयक का कांग्रेस ने स्वागत किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने अपनी जनप्रतिबद्धता को एक बार फिर से प्रदर्शित किया है। कांग्रेस ने अपने जनघोषणा पत्र का एक और वायदा पूरा किया। राज्य बनने के बाद से ही प्रदेश के पत्रकार, पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग कर रहे थे। पिछली भाजपा की सरकार ने पत्रकारों की मांगों पर ध्यान नहीं दिया था। मीडिया प्रजातंत्र का प्रमुख स्तंभ है, पत्रकार विपरीत परिस्थितियों में अपने दायित्वों का निर्वहन करते है। अनेक बार ऐसे अवसर आते है जब पत्रकार अपने कर्तव्य को पूरा करते हुये खतरों का सामना करना पड़ता है। असमाजिक तत्वों से उनकी सुरक्षा पर खतरा होता है ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि समाज के इस प्रमुख वर्ग को उनकी पेशेवर जिम्मेदारी के निर्वहन के लिये विशेष संरक्षण दिया जाये। कांग्रेस की सरकार ने पत्रकार सुरक्षा कानून बनाने का निर्णय लेकर लोकतंत्र को मजबूत करने का काम किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के प्रति छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार ने अपने वादे पर अमल करते हुए ठोस प्रावधान किया है। प्रस्तावित विधेयक में राज्य और जिला स्तर पर सुरक्षा समिति के गठन का प्रावधान है। पत्रकार सुरक्षा समिति, जोखिम प्रबंधन इकाई, पत्रकारों के सुरक्षा के समुचित उपाय, अनुचित अभियोजन और हिरासत से पत्रकारों की सुरक्षा के कठोर प्रावधान के समुचित प्रबंध है।

## प्रदेश सरकार बताए, बाघों पर 183 करोड़ से ज्यादा रकम कहां खर्च की गई? - भाजपा

**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व वन मंत्री महेश गागड़ा ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया है कि प्रदेश सरकार ने पिछले 2019 से 2022 (तीन वर्षों) में राज्य भर के कुल 19 बाघों पर 183.77 करोड़ खर्च कर दिए जबकि विशेषज्ञों व वन्यजीव संरक्षण के अभियान के लिए काम करने वालों का मानना है कि रिजर्व फॉरेस्ट के बाघों के खान-पान पर कोई खर्च ही नहीं किया जाता। पूर्व वन मंत्री एवं भाजपा नेता श्री गागड़ा ने कहा कि प्रदेश सरकार क्या अब वन्य प्राणियों के लिए तयशुदा बजट राशि में भी भ्रष्टाचार का कोई नया अध्याय लिख रही है? श्री गागड़ा ने कहा कि 2019 से 2022 के वर्षों में खर्च की गई इतनी बड़ी रकम के बारे में प्रदेश सरकार स्थिति स्पष्ट करे। हर क्षेत्र में कमीशनखोरी, भ्रष्टाचार और घोटाले करके छत्तीसगढ़ को कांग्रेस पार्टी का एटीएम बनाने वाली मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार नित नए घोटालों की इबारत लिख रही है और अब तो वन्य प्राणियों की बजट की राशि को लेकर सामने आए तथ्य इस सरकार के भ्रष्टत्तम राजनीतिक चरित्र की गवाही दे रहे है।

## खेलो इण्डिया सेंटर्स की स्वीकृति ऐतिहासिक कदम- साव

**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा छत्तीसगढ़ में 10 नए 'खेलो इण्डिया' सेंटर्स की स्वीकृति देने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अनुराग ठाकुर का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि स्थानीय खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए यह एक बहुत बड़ा और ऐतिहासिक कदम है। आज की इस बड़ी उपलब्धि के लिए श्री साव ने छत्तीसगढ़ के सभी खिलाड़ियों को और खेल प्रेमियों को बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ दी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री साव ने कहा कि जब से देश में नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सरकार बनी है, तब से भारत सरकार हर क्षेत्र में योजना बनाकर काम कर रही है। खेल के क्षेत्र में भी लगातार काम हो रहा है। खेल और खिलाड़ियों की तरक्की के लिए योजना बनाकर व्यापक तौर पर काम हो रहा है। भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा 10 नए 'खेलो इण्डिया' सेंटर्स की स्वीकृति को बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि इससे छत्तीसगढ़ में खेलों के विकास को सही दिशा और प्रोत्साहन मिलेगा। श्री साव ने बताया कि फुटबॉल के लिए मुंगेली, सूरजपुर, कोरबा और बलरामपुर जिले में, तीरंदाजी के लिए दन्तेवाड़ा और महासमुन्द में, हॉकी के लिए बस्तर और जाँजगीर-चाँपा में, कबड्डी के लिए बेमेतरा तथा कुश्ती के लिए धमतरी में खेलो इण्डिया सेंटर्स खोले जाएंगे। श्री साव ने कहा कि इससे पूर्व भी प्रदेश के सात अलग-अलग जिलों में अलग-अलग खेलों के लिए केन्द्र खोलने की स्वीकृति मिली है।

## अमित शाह के बस्तर दौरे का विरोध

**जगदलपुर।** बस्तर संभाग के सुकमा जिले में देश के गृहमंत्री अमित शाह के बस्तर प्रवास का विरोध हो रहा है. इससे जुड़ा कथित नक्सलियों का वीडियो और ऑडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. इस वीडियो की पुष्टि ईटीवी भारत नहीं करता है. वायरल हो रहे वीडियो में बड़ी संख्या में ग्रामीण भी नजर आ रहे हैं. इन ग्रामीणों के साथ वर्दीधारी नक्सली भी चल रहे हैं.कितनी देर का है वीडियो - करीब 2 मिनट 6 सेकंड के इस वीडियो में नक्सलियों की नाट्य चेतना मंडली गीत गाकर रैली को लीड करते दिख रही है. नाट्य चेतना मंडली के पीछे सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण भी हैं. रैली में वर्दीधारी नक्सली हथियार पकड़े नजर आ रहे हैं. सोशल मीडिया में वायरल हो रहे इस ऑडियो और वीडियो की पुष्टि श्वञ्जङ्क भारत नहीं करता है. वीडियो में महिला नक्सली का संदेश -वीडियो के साथ ही एक ऑडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है. जिसमें एक महिला नक्सली ने अमित शाह के दौरे को लेकर बयान जारी किया है. इस बयान में अमित शाह के दौरे का विरोध करने की बात कही जा रही है. इसके अलावा यह संदेश भी दिया जा रहा है कि बस्तर संभाग में कॉरपोरेट घराने को फायदा पहुंचाने के लिए हवाई बमबारी हो रही है. वीडियो में अपील की जा रही है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दौरे का पूरे बस्तर में पुरजोर विरोध किया जाए ताकि केंद्र सरकार अपने मकसद में कामयाब ना हो सके।

# मांझीनगढ़ पर्यटन स्थल को विकसित करने मुख्यमंत्री ने की घोषणा

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने बांसकोट में केशकाल विधानसभा के ग्राम बांसकोट में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा की स्थापना, मांझीनगढ़ पर्यटन स्थल को जैव विविधता पार्क के रूप में जंगल सफारी की तर्ज पर विकसित करने तथा उप स्वास्थ्य केंद्र गम्हरी का प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के रूप में उन्नयन करने के साथ ही बांसकोट में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने एवं साहू सदन बाँसकोट में आहाता निर्माण की घोषणा की। इसके अतिरिक्त उन्होंने जिले के खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए केशकाल में इंडोर स्टेडियम निर्माण की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज कोंडागांव जिले के बांसकोट में भक्त माता कर्मा जयंती तथा मुख्यमंत्री कन्या विवाह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से शामिल हुए। उन्होंने साहू समाज सहित क्षेत्रवासियों को भक्त माता कर्मा जयंती की शुभकामनाएं दी और मुख्यमंत्री कन्या विवाह के अंतर्गत परिणय सूत्र में बंध रहे 101 जोड़ो को आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री ने कोंडागांव जिले में 154 करोड़ के 145 विभिन्न कार्यों का वर्चुअल लोकार्पण और भूमिपूजन भी किया।

साथ ही मुख्यमंत्री की वर्चुअल उपस्थिति में विधानसभा उपाध्यक्ष श्री संतराम नेताम,बस्तर सांसद श्री दीपक बैज, हस्तशिल्प विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री चंदन कश्यप, जिला पंचायत के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में पारंपरिक, सांस्कृतिक धरोहर स्थलों जैसे देवगुड़ी, मातागुड़ी एवं घोटुल की भूमि को संरक्षित रखने हेतु कुल 436 सामुदायिक वन अधिकार पत्र ग्रामीणों को प्रदान किये गए तथा साहू समाज के प्रतिभावान युवाओं को सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भक्त माता कर्मा को नमन किया उन्होंने कहा कि आज भक्त माता कर्मा जी की 1007 वीं जयंती हम सब मना रहे हैं । आज प्रदेश भर में बेमौसम बारिश हुई है जिससे असुविधा हुई है परंतु इस बारिश से किसी प्रकार से उत्साह में कमी नहीं आई है । पूरे हर्षोल्लास के साथ माता कर्मा जी की जयंती मनाई जा रही है। उन्होंने माता कर्मा का जो योगदान है उसे समाज कभी नहीं भूल सकता। उन्होंने एकता में ही ताकत के आधार पर समाज को संगठित किया और एक नई दिशा प्रदान की। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्या विवाह अंतर्गत परिणय सूत्र में बंध रहे नव दंपतियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इसके दी जा रही सहायता राशि को हमने 15 हजार से बढ़कर 25 हजार किया था और वर्तमान बजट में इसे बढ़ाकर 50 हजार करने का प्रावधान कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने सुपोषण अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन से आए सकारात्मक बदलावों पर प्रशंसा व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आज छत्तीसगढ़ की मजबूत अर्थव्यवस्था की चर्चा पूरे देश में हो रही है और उसके पीछे सभी समाज के साथ-साथ साहू समाज का भी बड़ा योगदान है। हमने गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ 4 साल पहले एक नई यात्रा की शुरुआत की थी, हमारी सरकार ने किसानों, मजदूरों तथा परंपरागत व्यवसाय करने वाले मेहनतकश कारीगर और महिलाओं के लिए प्राथमिकता के साथ कार्य किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोंडागांव जिले में ही 29 हजार 939 किसानों के कुल 116 करोड़ 34 लाख 72 हज़ार कर्ज माफ हुए हैं। राजीव गांधी किसान न्याय योजना का भी प्रदेश सहित जिले के किसानों को लाभ मिल रहा है। किसान हितैषी सरकार ने इस वर्ष सर्वाधिक धान खरीदी का नया कीर्तिमान रचते हुए प्रदेश में 107 लाख मैट्रिक टन धान की खरीदी की है। लघु वनोपज खरीदी हो या फिर गोबर से प्राकृतिक पेंट या बिजली उत्पादन करने की बात हो, इसका लाभ जरूरतमंदों को मिल रहा है और उनकी आय बढ़ी है।

कार्यक्रम को सांसद दीपक बैज ने माता कर्मा जयंती की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि सरकार ने हर व्यक्ति और समाज के विकास के लिए कार्य किया है। बस्तर की पहचान अब देश विदेश में होनी लगी है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.